नगर संस्करण

सांध्य दैनिक

गुड इवनिंग

इंदौर-भोपाल-ग्वालियर से प्रकाशित

पेज-5

सड़क पर गड्ढे और गिट्टी से गुजर रहे राहगीर

अलग अंदाज़, अलग नज़रिया | इंदौर, बुधवार, 23 अप्रैल 2025 | मूल्य एक रुपए | ■ पृष्ठ : 8 ■ वर्ष : 09 ■ अंक : 34

www.goodeveninglive.com | https://www.facebook.com/goodevening01 | www.goodeveningonline.com

देर रात का हादसा

फीनिक्स मॉल के पास सड़क हादसे में दंपति की मौके पर ही मौत

गुड इवनिंग, इंदौर

इंदौर के दुर्गानगर में रहने वाले दंपति की मंगलवार रात फीनिक्स मॉल के पास सड़क दुर्घटना में मौके पर ही मौत हो गई। दंपति रात में एक प्रोग्राम देखकर लौट रहे थे। इसी दौरान हादसा हो गया।

कनाडिया पुलिस ने बताया कि घटना रात करीब डेढ़ से दो बचे के बीच की है। फीनिक्स माल के पास एक कार ट्रक के पीछे जा घुसी। कार में सवार अंकित पुत्र किशनलाल अग्रवाल और उनकी पत्नी परिनिधि की मौके पर ही मौत हो गई। देर रात गश्त कर रही पुलिस की गाड़ी मौके पर पहुंची और दोनों को अस्पताल पहुंचाया। गाड़ी नंबर और मोबाइल से उनके परिवार से संपर्क कर जानकारी दी गई।

नगर निगम में कॉन्ट्रेक्टर थे : रिश्तेदारों से मिली जानकारी के मुताबिक अंकित नगर निगम के लिए सिविल कांट्रेक्टर का काम करते थे। परिवार में पत्नी के अलावा उनका एक बेटा, माता-पिता और छोटा भाई है। हादसे वाली जगह पर सड़क निर्माण का काम चल रहा है और कई रास्ते अवरुद्ध थे। आशंका है कि अंकित को अचानक सामने खड़ा ट्रक नजर नहीं आया और हादसा हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा है। परिजनों के अनुसार अंकित का एक बेटा है, साथ ही माता-पिता और एक छोटा भाई भी परिवार में हैं।

Short News

बार काउंसिल सदस्य ही बनेंगे वक्फ बोर्ड मेंबर : सुप्रीम कोर्ट

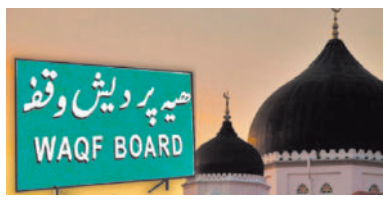

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राज्य वक्फ बोर्ड में नियुक्ति को लेकर अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा- राज्य बार काउंसिल का एक्टिव मेंबर ही राज्य वक्फ बोर्ड का सदस्य बन सकता है। जस्टिस एम.एम.सुंदरेश और जस्टिस राजेश बिंदल की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि वक्फ बोर्ड का सदस्य बनने के लिए 2 अनिवार्य शर्तें पूरी करनी होंगी। पहली- व्यक्ति मुस्लिम समुदाय से हो। दूसरी- संसद, राज्य विधानसभा या बार काउंसिल के सदस्य के रूप में सक्रिय पद हो। सुप्रीम कोर्ट मणिपुर हाईकोर्ट के उस फैसले को गलत बताया, जिसमें हाईकोर्ट ने कहा था कि कानून में स्पष्ट नहीं है कि बार काउंसिल से बाहर होने पर वक्फ बोर्ड की सदस्यता भी समाप्त हो जाएगी। दरअसल, राज्य वक्फ बोर्ड का यह मामला मणिपुर के मोहम्मद फिरोज अहमद खालिद से जुड़ा था, जिन्हें फरवरी 2023 में मणिपुर वक्फ बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया था।

शरबत पर रामदेव का बयान माफी लायक नहीं : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को उस वीडियो पर नाराजगी जताई, जिसमें बाबा रामदेव ने शरबत जिहाद शब्द का इस्तेमाल किया था। जस्टिस अमित बंसल ने कहा कि यह बयान माफी लायक नहीं है। इसने कोर्ट की अंतरआत्मा झकझोर दी। कोर्ट की फटकार के बाद पतंजलि के फाउंडर रामदेव ने कहा कि हम ऐसे सभी शब्द हटा लेंगे, जिनमें धार्मिक टिप्पणियां की गई हैं। कोर्ट ने रामदेव को एफिडेविट दाखिल करने का आदेश भी दिया है। बाबा रामदेव ने 3 अप्रैल को पतंजलि के शरबत की लॉन्चिंग की थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा था कि एक कंपनी शरबत बनाती है। उससे जो पैसा मिलता है, उससे मदरसे और मस्जिदें बनवाती है।

देशभर में गुस्सा : कश्मीर में आतंकियों की कायराना हरकत, 26 को गोली मारी

सऊदी से लौटते ही मोदी ने एयरपोर्ट पर आपात बैठक ली

मोदी-शाह ने कहा किसी आतंकी को बख्शा नहीं जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों को गोली मार दी गई। भारत के साथ ही विश्वभर में इस कायराना हरकत की निंदा की जा रही है। अमेरिका, रूस, सऊदी अरब, न्यूजीलैंड, फ्रांस सहित विश्व के सभी प्रमुख देशों ने कश्मीर में हुए आतंकी हमले की निंदा की है। साथ ही कहा है कि ऐसे आतंकियों को ढूंढकर मार देना चाहिए।

इधर, पहलगाम हमले को लेकर पीएम मोदी एक्शन मोड में हैं। हमले की सूचना मिलते ही वे सऊदी अरब के दौरे को बीच में छोड़कर भारत लौट आए हैं। बुधवार सुबह उनका विमान दिल्ली हवाई अड्डे पर लैंड किया। मामले की गंभीरता को समझते हुए पीएम मोदी ने बगैर कोई भी वक्त गंवाए एयरपोर्ट पर हाई लेवल बैठक की। इस बैठक सुरक्षा एजेंसियों के बड़े अधिकारियों के साथ-साथ अजित डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर भी मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार मोदी ने आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने और उनका साथ देने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है। इससे पहले मोदी ने मंगलवार शाम पोस्ट किया था कि इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। मोदी ने पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद गृह मंत्री अमित शाह से भी की बात की। मोदी ने शाह को स्थिति से निपटने के लिए सभी उपयुक्त कदम उठाने को कहा है। अमित शाह श्रीनगर के लिए रवाना हो चुके हैं।

उधर, जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि मृतकों की संख्या का पता लगाया जा रहा है। उन्होंनेएक पोस्ट में कहा था कि यह हमला हाल के वर्षों में आम नागरिकों पर किए गए किसी भी हमले से कहीं बड़ा है।

6 आतंकियों ने टूरिस्टों को मारी थी गोली

कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम हिल स्टेशन पर आतंकवादियों ने एक पर्यटक ग्रुप पर हमला कर 26 लोगों को गोली मारी थी। वहीं कई लोग घायल हो गए। घायलों में पर्यटक और स्थानीय लोग शामिल हैं। यह हमला पहलगाम के बैसरन इलाके में हुआ है, जहां आतंकवादियों ने पर्यटकों के एक समूह को निशाना बनाया।

सेना का सर्च अभियान जारी

बुधवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी गई है। भारतीय सेना ने एक पोस्ट में कहा कि आतंकियों की खोज की जा रही है। हेलिकॉप्टर से निगरानी रखी जा रही है। वहीं छोटे ड्रोन से भी क्षेत्र में आंकियों को खोजा जा रहा है। अनुमान है कि वे पहाड़ी के रास्ते फरार हुए हैं या जंगल में छिपे हुए हैं। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पूरा देश सदमे में है। हमले में शामिल आतंकी की पहली तस्वीर सामने आ गई है। इसमें आतंकी के हाथ में एके-47 है और उसने कुर्ता-पजामा पहना हुआ है।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को लेकर कही ये बड़ी बात

एआई से रोजगार पर खतरा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से रोजगार जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता व्यक्त की है। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन (सीपीआईएल) की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह अहम टिप्पणी की है। अटॉर्नी जनरल ने कोर्ट से जवाब दाखिल करने के लिए समय की मांग की, जिसको कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है।

अदालत ने एआई के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर केंद्र सरकार द्वारा किए गए नीतिगत निर्णयों पर जानकारी प्रस्तुत करने के लिए चार सप्ताह का समय दे दिया है। कोर्ट 14 मई को इस मामले में अगली सुनवाई करेगा।

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि मेरी चिंता यह है कि एआई ड्राइवरों के रोजगार को खत्म न कर दे। यह रोजगार का एक बड़ा स्रोत है। एआई अपने आप में तेजी से बढ़ती हुई तकनीक है। एक मॉड्यूल कुछ महीनों में अप्रचलित हो जाता है।

सरकार को जवाब दाखिल करना है : मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकताओं की ओर से पेश वकील ने प्रशांत भूषण ने कहा कि सरकार को बुनियादी ढांचा प्रदान करना चाहिए। अगर मुझे यहां से 400 किलोमीटर दूर पालमपुर जाना है तो ऐसी जगहें होनी चाहिए जहां चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर हो। याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने कोर्ट से अपने बेटे के बारे में एक हालिया घटना साझा की, जो कैलिफोर्निया में यात्रा कर रहा था और एआई संचालित उबर कार में सवार था, जिसमें कोई ड्राइवर नहीं था। सुनवाई के दौरान वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि दुनिया के कुल 15 सबसे प्रदूषित शहरों में से 14 भारत में है।

सरकार अपनी नीति लागू करे

भूषण ने कहा कि मैं यही चाहता हूं कि सरकार अपनी नीति लागू करे। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि यह केवल सरकार नहीं है, अन्य संस्थान भी हैं। बता दें कि सीपीआईएल की याचिका में व्यवहारिक (इलेक्ट्रिक वाहन) ईवी को बढ़ावा देने के लिए मौजूदा नीतियों और पहलों, के नीति ढांचे के अपर्याप्त कार्यान्वयन के बारे में सरकार की चिंताओं को उठाई गई है।

महाराष्ट्र में हिंदी अनिवार्य भाषा अब नहीं होगी

राज्य सरकार ने 6 दिन बाद बदला फैसला

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र में स्कूली पढ़ाई के लिए अब हिंदी अनिवार्य भाषा नहीं होगी। राज्य सरकार ने हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बनाने का निर्णय वापस ले लिया है। शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने कहा कि मराठी अनिवार्य होगी, अंग्रेजी दूसरी भाषा और तीसरी भाषा ऑप्शनल यानी वैकल्पिक होगी। इससे पहले रविवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस ने कहा था कि स्टूडेंट्स तीसरी भाषा अपने मन से चुन सकेंगे। हिंदी अनिवार्य नहीं होगी।

आपको बता दें फैसला वापस लेने से 6 दिन पहले यानी बुधवार को ही महाराष्ट्र में 1 से 5वीं तक के स्टूडेंट्स के लिए तीसरी भाषा के तौर पर हिंदी अनिवार्य की गई थी। ये फैसला राज्य के सभी मराठी और अंग्रेजी मीडियम स्कूलों पर लागू किया गया था। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के नए करिकुलम को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र में इन क्लासेज के लिए तीन भाषा की पॉलिसी लागू की गई थी। राज्य के स्कूल एजुकेशन डिपार्टमेंट ने बुधवार को ये घोषणा की थी।

महाराष्ट्र में 5+3+3+4 मॉडल भी लागू करने का प्लान : वहीं, महाराष्ट्र में एनईपी का रिकमेंड किया गया 5+3+3+4 मॉडल फेज-वाइज पहले की गई घोषणा के मुताबिक ही लागू किया जाएगा। इस नए स्ट्रक्चर के पहले फेज को नए एकेडमिक ईयर यानी 2025-26 से पहली क्लास के लिए लागू किया जाएगा।

बच्चों ने मनाया अर्थ डे, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

फोटो : गुड इवनिंग

इंदौर। अर्थ डे यानी पृथ्वी दिवस हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विश्व में पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाना है । अर्थ डे पर नन्हे मुन्ने बच्चों ने पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया । दा न्यू ईरा पब्लिक स्कूल के बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से अर्थ के विषय में स्कूल के प्राचार्य ने जानकारी दी । इसके लिए स्कूल की इंचार्ज छाया रघुवंशी ने विशेष रूप से नर्सरी से केजी सेकेंड के बच्चों को तैयार किया था । बच्चों ने इसके लिए विभिन्न प्रकार के पोस्टर बनाए और स्लोगन लिखकर कविता सुनाई। इस मौके पर केजी सेकेंड की छात्रा सौम्या नामदेव ने पृथ्वी हमारी सबसे न्यारी... इसमें बस्ती दुनिया सारी कविता सुनाकर सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम में स्कूल के सभी टीचर मौजूद रहे।

बिजली नगर स्थित बिजलेश्वर महादेव मंदिर परिसर में चल रहे भागवत ज्ञान यज्ञ में आज मनेगा कृष्ण जन्मोत्सव

भागवत ऐसा कल्पवृक्ष, जिसकी छाया में जाने से साकार होते हैं शुभ संकल्प

गुड इवनिंग, इंदौर

धर्म वह तत्व है, जो हमें परमात्मा से जोड़ता है। जिस आचरण से हम परमात्मा की निकटता प्राप्त करें, वही धर्माचरण होता है। श्रीमद भागवत को हमारे शास्त्रों में कल्पवृक्ष कहा गया है, जिसकी छाया में जाने मात्र से हमारे मन के शुभ संकल्प साकार हो उठते हैं। जिसका आचरण श्रेष्ठ होता है, वही समाज में सर्वोपरि माना जाता है। यदि हृदय में कचरा भरा होगा तो श्रेष्ठ विचारों के लिए जगह नहीं रहेगी। भागवत भारत भूमि का ऐसा ग्रंथ है, जिसका श्रवण सच्चे मन से क्षण भर के लिए भी कर लिया जाए तो हमारे मोक्ष का द्वार खुल जाएगा। हमारी नई पौध को शिक्षा के साथ संस्कारों की भी जरूरत है, जो भागवत, रामायण और गीता जैसे ग्रंथों से ही मिलेंगे।

ये प्रेरक विचार हैं मलूक पीठाधीश्वर जगदगुरू द्वाराचार्य स्वामी राजेन्द्रदास देवाचार्य के परम शिष्य महामंडलेश्वर स्वामी दीनबंधुदास महाराज के, जो उन्होंने बंगाली चौराहा के पास बिजली नगर स्थित बिजलेश्वर महादेव मंदिर परिसर पर चल रहे संगीतमय भागवत ज्ञानयज्ञ में व्यक्त किए। कथा शुभारंभ के पूर्व विशाल ठाकुर के साथ समाजसेवी अशोक बिदासरिया, सत्यमसिंह गोल्डी, भूपेन्द्रसिंह केसरी, पं. सुरेन्द्र शर्मा, मुकेश हलवे एवं रामावतारसिंह सिकरवार, राजेश सचान, अनिश पांडे, राहुल सिंह, सिकरवार आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया। । बिजलेश्वर महादेव मंदिर महिला भक्त मंडल की ओर से महामंडलेश्वर एवं वृंदावन से आए संतों की गरिमापूर्ण अगवानी की। कथा में बुधवार को वामन अवतार एवं कृष्ण जन्म प्रसंग की कथा एवं उत्सव होंगे। संयोजक विशालसिंह सिकरवार ने बताया कि कथा स्थल बिजलेश्वर महादेव मंदिर पर भक्तों की सुविधा के समुचित प्रबंध किए गए हैं। कथा 26 अप्रैल तक प्रतिदिन सायं 4 से 7 बजे तक होगी।

भागवत की महत्ता बताते हुए महामंडलेश्वर स्वामी दीनबंधुदास ने कहा कि कलियुग में भागवत जैसी साक्षात भगवान की वाणी का श्रवण मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करता है। भागवत भारत भूमि का विलक्षण ग्रंथ है, जिसे हजारों बार सुनने के बाद भी भक्ति की प्यास खत्म नहीं होती, बल्कि और बढ़ जाती है। रामायण जीवन की ओर भागवत मोक्ष की कथा है। भागवत और रामायण जैसे ग्रंथ भारत भूमि की अनमोल धरोहर हैं, जो युगों झ्रयुगों तक हमारी प्रेरणा एवं ऊर्जा का केन्द्र बने रहेंगे।

महिलाओं की डिजिटल निजता के खिलाफ नौजवानों ने मोर्चा संभाला

गुड इवनिंग, इंदौर

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आने वाले समय में यदि नियंत्रित नहीं किए गए तो यह एक बड़े नुकसान का कारण बन सकते हैं।

यह चेतावनी सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर दीपेश माहेश्वरी ने दी, जो इन दिनों अपनी टीम के साथ महिलाओं की डिजिटल निजता के उल्लंघन के खिलाफ देशव्यापी अभियान चला रहे हैं। इंदौर प्रवास के दौरान मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि यदि सरकार और आम जनता समय रहते सतर्क नहीं हुई, तो यह संकट कई घरों को बबार्दी की ओर ले जाएगा। दीपेश ने बताया कि उनका प्रमुख उद्देश्य उन ट्रेंड्स को उजागर करना है, जिनके तहत बिना महिलाओं की सहमति के उनके निजी वीडियो इंटरनेट पर वायरल किए जा रहे हैं। यह न केवल गंभीर साइबर अपराध है, बल्कि एक सामाजिक और सांस्कृतिक संकट भी है। उन्होंने अब तक इंस्टाग्राम मेमे पेज, टेलीग्राम ग्रुप और तारा बॉक्स जैसे थर्ड पार्टी एप्लीकेशन के माध्यम से वायरल हो रहे 50 से अधिक मामलों के सबूत एकत्र किए हैं और इसकी शिकायत इंदौर साइबर सेल में दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि अधिकांश वीडियो में जिन लड़कियों को निशाना बनाया गया है, वे नाबालिग हैं। इस प्रकार का डिजिटल अपराध केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक पतन का उदाहरण है। यह महिलाओं की गरिमा और अधिकारों पर सीधा हमला है। उन्होंने आईटी एक्ट, आईपीसी 354सी और पास्को एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

दीपेश माहेश्वरी बोले- सोशल मीडिया बना सामाजिक संकट

टीम के साथ देशभर में जागरूकता फैला रहे

दीपेश ने इस अभियान को रिस्पेक्ट हर प्राइवेसी नाम दिया है, जिसके तहत वह अपनी 25 युवाओं की टीम के साथ देशभर में जागरूकता फैला रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनके दस लाख से अधिक फॉलोअर्स इस पहल से जुड़ चुके हैं और उन्हें कई शहरों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। उनका मानना है कि सरकार एक ओर महिलाओं को लक्ष्मी का रूप मानती है और उनके लिए तमाम योजनाएं लागू करती है, वहीं दूसरी ओर उनकी इज्जत और निजता के साथ इस तरह का खिलवाड़ हो रहा है। ऐसे में चुप रहना किसी अपराध से कम नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यह लड़ाई सिर्फ डिजिटल स्पेस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की गरिमा की रक्षा की है। दीपेश माहेश्वरी ने सरकार से अपील की है कि वह ऐसे कठोर कानून बनाए जिससे महिलाओं की निजता पर मंडरा रहा यह खतरा पूरी तरह समाप्त किया जा सके।

गीता भवन में आज से श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ का सात दिवसीय आयोजन

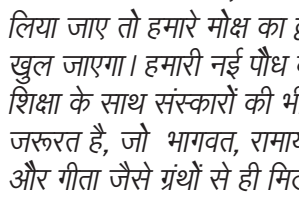

इंदौर। मनोरमागंज स्थित गीता भवन सत्संग सभागृह में आज से मंगलवार 29 अप्रैल तक श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ का अनुष्ठान वृंदावन-हरिद्वार के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद महाराज के सानिध्य में साध्वी कृष्णानंद महाराज के श्रीमुख से होगा। आयोजन के प्रमुख कमलेश शिवहरे, गौरव शिवहरे एवं अर्पित शिवहरे ने बताया कि गीता भवन मंदिर पर प्रतिदिन शाम 4 से 7 बजे तक श्रीमद भागवत कथामृत की वर्षा होगी। कथा स्थल पर भक्तों की सुविधा के समुचित प्रबंध किए गए हैं। शुभारंभ आज अपरान्ह 3.30 बजे गीता भवन परिसर में भागवतजी की शोभायात्रा के साथ होगा। कथा दौरान विभिन्न उत्सव भी मनाए जाएंगे।

1 मई को 7 फेरे लेंगे सभी समाजों के 21 जोड़े

'घर जैसी शादी' : सभी प्रमुख मंदिरों के पुजारी बनेंगे भागीदार

गुड इवनिंग, इंदौर

पिछले वर्ष ह्य घर जैसी शादी ह्य जैसी ख्याति के साथ विश्व ब्राह्मण समाज संघ द्वारा आयोजित 21 जोड़ों के सामूहिक विवाह का आयोजन इस बार भी 1 मई को अभिजीत मुहूर्त में छोटा बांगड़दा स्थित बाबाश्री रिसोर्ट पर आयोजित होगा। इस आयोजन में खजराना गणेश मंदिर, रणजीत हनुमान मंदिर, विर आलीजा हनुमान मंदिर सहित शहर के अन्य प्रमुख मंदिरों के पुजारी, श्रद्धालु, विद्वान और विप्र बंधुओं के साथ अग्रवाल-वैश्य समाजों के लोग मलकर विवाह मलकर विवाह की व्यवस्थाओं में भागीदार बनेंगे। इस सामूहिक विवाह में शामिल सभी युगलों को गृहस्थी योग्य आकर्षक उपहार भी दिए जाएंगे। कुछ युगलों को गृहस्थी लायक उपयोगी सामान भी उपलब्ध कराया जाएगा। महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से प्रारंभ हो चुकी हैं।

आयोजन समिति के अध्यक्ष पं. योगेन्द्र महंत, स्वागताध्यक्ष जगदीश बाबाश्री, म.प्र. ज्योतिष एवं विद्वत परिषद के अध्यक्ष आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा वैदिक के मार्गदर्शन में होने वाले इस आयोजन में गत वर्ष की तरह रणजीत हनुमान मंदिर के मुख्य पुजारी पं. दीपेश व्यास एवं खजराना गणेश मंदिर के पुजारी पं. अशोक भट्ट का भी आशीर्वाद एवं सहयोग मिल रहा है। सामूहिक विवाह में शामिल होने वाले युगलों से किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जा रहा है। गत वर्ष भी संपन्न हुए इस विवाह समारोह की ख्याति ह्य घर की शादी ह्य जैसी हुई थी और भव्य बारात, स्टेज, फेरे एवं आशीर्वाद समारोह की सभी मेहमानों ने दिल खोलकर प्रशंसा की थी।

प्रमुख संयोजक राजेश बंसल, राजेश गर्ग एवं शिव जिंदल ने बताया कि मंगलवार को आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने विवाह स्थल बाबाश्री रिसोर्ट पहुंचकर वहां की तैयारियों और व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस अवसर पं. .योगेन्द्र महंत, आचार्य पं.रामचंद्र शर्मा वैदिक, जगदीश गोयल, पं. अशोक भट्ट, पं. दीपेश व्यास सहित विश्व ब्राह्मण समाज संघ से जुड़े कार्यकताओं ने 1 मई को विवाह के दौरान की जाने वाली व्यवस्थाओं के बारे में विचार-मंथन किया। एक मई को सुबह 9 बजे गणेश पूजन के साथ ही सामूहिक विवाह की रस्में प्रारंभ हो जाएंगी। सुबह 10 बजे सभी दूल्हे घोड़ी पर एवं दुल्हनें बग्घियों में सवार होकर शोभायात्रा के रूप में निकलेंगी। बैंड-बाजों की मंगल ध्वनि के बीच सभी समाजों के वरिष्ठजन भी इस चल समारोह में साथ रहेंगे। शहर के अन्य प्रमुख संत-विद्वान भी बग्घियों में विराजित होकर भक्तों को आशीर्वाद देते हुए चलेंगे।

समाज और शासन हर स्तर पर खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दें

गुड इवनिंग, इंदौर

खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए समाज और शासन को हर स्तर पर प्रयास करना चाहिए। मालवा कला अकादमी ने अपनी खेल गतिविधियों से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अनेक खेल प्रतिभाओं को स्थापित किया है। इस तरह के प्रयास निरंतर चलते रहना चाहिए।

यह बात महांमडलेश्वर महर्षि उत्तम स्वामी ने पालदा स्थित मालवा कला अकादमी के कार्यालय पर आयोजित खिलाड़ियों के सम्मान समारोह में कही। इस अवसर पर फर्स्ट वर्ल्ड पारा ताईक्वांडो चैंपियनशिप में विजेता रही पिंकी दुबे, स्वीमिंग ओपन में नेशनल खिलाड़ी निष्ठा पंडित और कराटे में स्वर्ण पदक विजेता ब्लेक बेल्ट सारा शंभू को उन्होंने सम्मानित किया। प्रारंभ में अकादमी की ओर से मनोज वर्मा, अशोक गोयल, विक्रम अवार्डी धनंजय शर्मा, आसिफ शाह, विशाल पाठक, सुनील खांडे, दीपक वर्मा, नवीन सिलावट, विशाल वर्मा, कपिल खिल्लारी आदि ने महामंडलेश्वरजी का स्वागत किया।

अकादमी के प्रमुख मनोज वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि खेल के अलावा सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक कार्यों में भी पिछले 36 वर्षों से मालवा कला अकादमी लगातार सक्रिय रहते हुए काम कर रही है। महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी ने अकादमी की सेवाकार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जरूरतमंदों को कंबल बांटने से लेकर पालदा के राजा और खिलाड़ियो के सम्मान से लेकर मालवा खेल अवार्ड के माध्यम से यह अकादमी बहुत सराहनीय काम कर रही है। खेल प्रतिभाओं को निरंतर प्रोत्साहन मिलते रहना चहिए। शासन के साथ समाज को भी इस काम में आगे आना चाहिए, ताकि हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम ऊंचा उठा सकें। अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रवीण वर्मा, ललित यादव, तुषार वर्मा, राजू बंसल, नारायण गोसाई, मयंक वर्मा, जीतू साहू, पुरुषोत्तम गोयल, सुरेन्द्र डाबर और अनिल सिलावट ने भेंट किए।

वाहन के वीआईपी नंबर 0001 का क्रेज हुआ खत्म

14 लाख में बिकने वाला 1 लाख में हुआ नीलाम

गुड इवनिंग, इंदौर

कभी 14 लाख में बिकने वाला वीआईपी गाड़ी नंबर 0001 अब सिर्फ 1 लाख में बिक गया। धीरे-धीरे वीआईपी नंबरों का आकर्षण खत्म होता नजर आ रहा है।

शहर में कभी सबसे अधिक डिमांड में रहने वाले वीआईपी गाड़ी नंबर अब लोगों की पसंद में नहीं रहे। लगातार दूसरी बार 0001 नंबर बिना किसी प्रतिस्पर्धा के मात्र एक लाख रुपए के बेस प्राइस पर ही बिक गया। इस नंबर को खरीदने के लिए केवल एक ही आवेदन आया, जिससे नीलामी में कोई प्रतिस्पर्धा ही नहीं बन पाई। कभी यह

नंबर 13 लाख रुपए से भी अधिक में बिका करता था, लेकिन अब इसका आकर्षण खत्म होता दिख रहा है।

संपन्न हुई वीआईपी नंबरों की नीलामी में एक नई सीरिज शुरू होने के बावजूद लोगों में कोई विशेष उत्साह नहीं दिखा। कुल 54 नंबरों की नीलामी हुई, जिनमें से केवल 5 नंबरों पर ही बोली लगी। शेष 49 नंबर बिना किसी बोली के न्यूनतम कीमत पर ही बिक गए। उम्मीद की जा रही थी कि 0001 नंबर के लिए कई दावेदार होंगे और यह ऊंची कीमत पर बिकेगा, लेकिन केवल एक ही आवेदन आने से यह नंबर मात्र एक लाख रुपए में ही नीलाम हो गया।

0001 नंबर ने कभी छुआ था 14 लाख का आंकड़ा - वर्ष 2016 में परिवहन विभाग द्वारा आयोजित नीलामी में इंदौर का सबसे महंगा नंबर टढ-09 उव-0001 रिकॉर्ड 14.01 लाख रुपए में बिका था। इसके बाद भी यह नंबर एक बार 12.5 लाख रुपए में बिक चुका है। परंतु हाल के वर्षों में विभाग द्वारा सभी गाड़ियों के लिए एक ही सीरिज का सिस्टम शुरू करने और हर सप्ताह नीलामी आयोजित करने की व्यवस्था के कारण अब सीरिज जल्दी खत्म हो जाती है। इस वजह से 0001 जैसे नंबर जल्दी-जल्दी नीलामी में आ जाते हैं और इनका आकर्षण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है।

0013 नंबर ने खींचा ध्यान

आरटीओ प्रदीप शर्मा ने बताया कि इस सप्ताह की नीलामी समाप्त हुई, जिसमें कुल 54 नंबर बेचे गए। इनमें केवल 0009, 7777, 8888, 4141 और 0013 नंबरों पर ही बोली लगी। उन्होंने यह बात चौंकाने वाली बताई कि जहां 0013 नंबर के लिए एक से अधिक आवेदन आए, वहीं 0001 नंबर के लिए केवल एक ही आवेदन मिला। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले वर्ष वीआईपी नंबरों की नीलामी से विभाग को 11 करोड़ रुपए की आय हुई थी।

एक दिन पहले ही दी थी चेतावनी, दूसरे दिन कार्रवाई

जनसुनवाई में नहीं आने पर जिला शिक्षा अधिकारी को किया सस्पेंड

गुड इवनिंग, इंदौर

जनसुनवाई के दौरान अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ कलेक्टर ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में अनुपस्थित रहने पर जिला शिक्षा अधिकारी को निलंबित करने के निर्देश दिए हैं।

गौरतलब है कि सोमवार को हुई अधिकारियों की बैठक में कलेक्टर ने सभी शासकीय अधिकारियों को जनसुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा था कि अधिकारी आवेदकों की समस्याएं गंभीरता से सुनें और त्वरित निराकरण करें। जनसुनवाई में कुल 250 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें अधिकांश आवेदन प्लॉट विवाद, संपत्ति विवाद, पारिवारिक विवाद से जुड़े थे। कलेक्टर ने कई प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया। बाकी प्रकरणों को तय समय-सीमा में निराकृत करने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही जरूरतमंदों को इलाज, शिक्षा एवं रोजगार सहायता भी दी गई।

कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि जो प्रकरण मौके पर निराकृत नहीं हो सकते, उन्हें सीएम हेल्पलाइन में दर्ज कर, समय-सीमा में सकारात्मक समाधान किया जाए। जनसुनवाई में आए हर आवेदन का फॉलोअप किया जाएगा, ताकि किसी भी आवेदक को दुबारा परेशानी का सामना ना करना पड़े। इस मौके पर अन्य विभागीय अधिकारी एवं अपर कलेक्टर भी मौजूद रहे उन्होंने भी नागरिकों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना तथा निराकरण किया।

निगम में 6 व्यक्तियों के संबंध में हुआ अनुकंपा नियुक्ति का आदेश

इंदौर। नगर निगम मुख्यालय में मंगलवार को जनसुनवाई की गई। उक्त क्रम में निगम के सभी अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री एवं विभाग प्रमुख मौजूद थे। इस मौके पर प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण करने के भी निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान आयुक्त शिवम वर्मा एवं सामान्य प्रशासन प्रभारी नंदकिशोर पहाडिया द्वारा जनसुनवाई कक्ष में अनुकंपा नियुक्ति के पात्र विशाल पिता प्रकाश, राहुल पिता तुकाराम, मोहम्मद बिलाल पिता फारूक, अर्थ पिता ओमप्रकाश , राजाराम पिता राम, तरूण पिता गोपाल को अनुकंपा नियुक्ति के आदेश का वितरण किया गया, इस मौके पर अनुकंपा नियुक्ति के पात्र हितग्राही द्वारा आयुक्त के प्रति आभार प्रकट करते हुए, लंबित अनुकंपा प्रकरणो का जल्द निराकरण करने पर प्रशंसा भी की गई। इस दौरान आयुक्त श्री वर्मा ने स्वास्थ्य व प्रधान कार्यालय के स्थापना विभाग को निर्देशित किया कि अनुकंपा नियुक्ति से संबधित जितने भी प्रकरण लंबित है, उन्हे नियमानुसार जल्द समाधान कर पात्र लोगों को अनुकंपा नियुक्ति के आदेश सौंपे जाए। अनुकंपा नियुक्ति के लिए आयुक्त द्वारा अभिलेख सत्यापन हेतु जिला शिक्षा अधिकारी एवं चरित्र सत्यापन के लिए पुलिस प्रशासन से दूरभाष पर चर्चा की तथा जितने भी प्रकरण लंबित है उनका जल्द निराकरण करने के लिए कहा गया ताकि पात्र व्यक्तियों को जल्द अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जा सके। जनसुनवाई के दौरान दिव्यांग आवेदक

अब ऐसे प्रकरणों का समय सीमा में होगा निराकरण

के आवेदन पर आयुक्त श्री वर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास के लिए लोन प्रकरण के निराकरण करने के साथ ही दिव्यांगजन को नियमानुसार शासन की जनकल्याणकारी योजना का लाभ देने के लिए अपर आयुक्त शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ को निर्देशित किया, ताकि दिव्यांग व्यक्ति स्वंय का रोजगार कर सके। जन सुनवाई के दौरान नागरिको द्वारा राजस्व, मार्केट, भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य विभाग, रिमूव्हल विभाग, सीवरेज विभाग, जनकार्य विभाग सहित अन्य विभागो के 65 आवेदन आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत किए, आयुक्त ने नागरिको को समक्ष में सुना। तथा अधिकारियों को नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

फोटोकापी की दुकान से मिली एमबीए की उत्तरपुस्तिकाओं का दोबारा मूल्यांकन पूरा

जल्द जारी होगा रिजल्ट

गुड इवनिंग, इंदौर

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने फोटोकापी की दुकान पर मिली एमबीए की उत्तरपुस्तिकाओं का दोबारा मूल्यांकन कार्य पूरा कर लिया है। विषय विशेषज्ञों ने उत्तरपुस्तिकाएं जांची हैं। साथ ही अपनी रिपोर्ट विश्वविद्यालय को सौंप दी गई है। रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि विद्यार्थियों के अंकों में किसी भी प्रकार का अंतर नहीं पाया गया है। अब विश्वविद्यालय प्रशासन जल्द ही एमबीए पाठ्यक्रम का परिणाम घोषित कर सकता है। करीब डेढ़ महीने पहले गुमाश्ता नगर स्थित एक फोटोकापी की दुकान पर एमबीए पहले सेमेस्टर की उत्तरपुस्तिकाएं मिलने से हड़कंप मच गया था।

विश्वविद्यालय की टीम ने मौके से 100-100 कापियों के दो बंडल बरामद किए थे। शिकायत में यह आरोप लगाया गया था कि इन उत्तरपुस्तिकाओं की जांच किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा की गई है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने जांच करवाई। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन अधिकृत मूल्यांकनकर्ता ने ही किया है।

इसके बाद कुलगुरु के निर्देश पर चार सदस्यीय जांच समिति गठित की गई, जिसने सप्ताहभर के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंप दी।

रिपोर्ट में न तो उत्तरपुस्तिकाओं से किसी प्रकार की छेड़छाड़ पाई गई और न ही मूल्यांकन में गड़बड़ी। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि सभी कॉपियों का मूल्यांकन एक ही व्यक्ति ने किया गया है।

परीक्षा नियंत्रक अशेष तिवारी ने बताया कि एमबीए के सभी पाठ्यक्रमों के परिणामों के साथ ही दोबारा मूल्यांकित इन उत्तरपुस्तिकाओं का परिणाम भी जारी कर दिया जाएगा। परिणाम तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है, जिसे पूर्ण करने में लगभग 15 से 20 दिन का समय लगेगा।

कंपनी के 4500 कर्मियों को नया गृह भाड़ा भत्ता मंजूर

इंदौर। राज्य शासन के आदेश अनुसार मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्मिकों को भी नई दर से गृह भाड़ा भत्ता मिलेगा। इसका लाभ 1 अप्रैल से दिया जाएगा। उक्त संबंध में मंगलवार को प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के अनुमोदन के बाद कंपनी ने आदेश जारी कर दिए गए हैं। मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान ने बताया कि नए भत्ते के आदेश से कंपनी के करीब 4500 कर्मचारी, अधिकारी लाभान्वित होंगे। इन्हें पूर्व की तुलना में प्रतिमाह दो हजार से लेकर 10 हजार प्रतिमाह ज्यादा भत्ता मिलेगा। उन्होंने बताया कि 7 लाख से ज्यादा जनसंख्या वाले शहरों में निवासरत कार्मिकों को वेतन पुनरीक्षित नियम 2017 के अनुसार वेतन का दस प्रतिशत भत्ता देय होगा। 3 से 7 लाख की जनसंख्या वाले शहरों के कार्मिकों को वेतन का 7 प्रतिशत एवं 3 लाख से कम जनसंख्या वाले नगरों में निवासरत कार्मिकों को वेतन का 5 प्रतिशत भत्ता प्रदान किया जाएगा।

15 हजार युवाओं को मिलेगा रोजगार, आईटी कंपनियां करेंगी 1 हजार करोड़ रुपए का निवेश

इंदौर में सीएम करेंगे पंचशील आईटी टेक्नो पार्क का शुभारंभ

इंदौर। इंदौर में 27 अप्रैल को आयोजित होने वाले आईटी कॉन्क्लेव में सीएम इंदौर को एक और आईटी पार्क की सौगात देंगे। यह आईटी पार्क पंचशील (इंफ्रा डेवलपर) द्वारा तैयार किया जाएगा और इसका नाम आईटी टेक्नो पार्क होगा। बताया जा रहा है कि इस पार्क में 15 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन इंदौर के महाप्रबंधक द्वारकेश सर्राफ ने जानकारी दी कि कॉन्क्लेव में शामिल होने के लिए देश-विदेश की लगभग 80 आईटी कंपनियों से जुड़ी कई हस्तियां आ रही हैं। द्वारकेश सर्राफ ने आगे बताया कि मुख्यमंत्री सुपर कॉरिडोर पर पंचशील टेक्नो पार्क प्रोजेक्ट का शुभारंभ करेंगे। इस प्रोजेक्ट के तहत सीसीआईपी के जरिए से आवंटित 10 एकड़ जमीन पर 20 लाख वर्गफुट में आईटी बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा। शुरूआत में आईटी कंपनियां लगभग 1 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेंगी, जिससे 15 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। सर्राफ के मुताबिक, सुपर कॉरिडोर पर पंचशील टेक्नो पार्क के अलावा मुख्यमंत्री सिंहासा आईटी पार्क में स्थापित होने जा रहे 120-सीटर इन्कयूबेशन सेंटर की भी शुरूआत करेंगे। इसके साथ ही दो नई कंपनियों, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और कास्टनेक्स का भी लोकार्पण किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत 10,248 वर्गफुट क्षेत्र में 100 स्टार्टअप्स के लिए इन्कयूबेशन सेंटर शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री इस प्रोजेक्ट का वर्चुअल शुभारंभ करेंगे।

इन्कयूबेशन सेंटर में इनकी भी भागीदारी- इन्कयूबेशन सेंटर की स्थापना मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी और आईआईटी इंदौर के दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के सहयोग से सात सालों के लिए की जा रही है। इससे पहले, एमपीआईडीसी इंदौर के क्रिस्टल आईटी पार्क में भी एक इन्कयूबेशन सेंटर शुरू किया गया था।

जल बचाने के अभियान में बड़ी संख्या में जुड़ने लगे लोग

इंदौर। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान पर तेजी से कार्य हो रहा है। इस अभियान से बड़ी संख्या में लोग जुड़ने लगे है। शहर हो या गांव सभी जगह जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने और जल बचाने के लिए श्रमदान के लिए बड़ी संख्या में लोग आगे आ रहे है। भविष्य के लिये जल और जीवन बचाने के लिए लोगों में इस अभियान के प्रति बड़ा उत्साह देखा जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत शिवनगर पिपलिया लोहार में खेड़ापति हनुमान आश्रम पर पृथ्वी माता की पूजा कर जल बचाने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर आश्रम के मुख्य साधक महामंडलेश्वर महंत राजगुरु जी महाराज ने पांच देवी देवताओं जन, जल, जंगल, धरती माता, गौ माता के संरक्षण करने के लिए संकल्प दिलाया। महाराज राजगुरु जी ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में संत समाज को भी आगे आना चाहिए जिससे समाज और देश को एक नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम में समाजसेवी कैलाश अग्निहोत्री, ग्राम पंचायत शिवनगर की सरपंच दुर्गा अशोक जरिया, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की विकासखंड समन्वयक आरती बर्वे, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष विक्रम सिंह सोलंकी आदि मौजूद थे।

सड़क बनाने से पहले ही डालें सीवरेज और पानी की लाइन

फोटो : गुड इवनिंग

इंदौर। नगर निगम आयुक्त ने मास्टर प्लान की सड़कों को लेकर समीक्षा बैठक ली। इसमें उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रोड बनने के बाद उसे खोदना न पड़े, इसले लिए सीवरेज और पानी की लाइन डालना तय किया जाए।

शुगर फ्री मासिक अभियान के पहले ही महीने में सामने आए उत्साहजनक परिणाम

शक्कर छोड़ी तो 30 दिन में कई बीमारियां खत्म

गुड इवनिंग, इंदौर

शुगर फ्री अभियान में 2050 लोगों में से 1800 ने पूरे 30 दिन तक शक्कर और मिठाई से दूरी बनाई। सर्वे में 76.7% लोगों ने एनर्जी लेवल बढ़ने की बात कही, 56% का वजन घटा, 52% को जोड़ों के दर्द में राहत मिली और 40% की त्वचा में निखार आया।

शुगर फ्री मासिक अभियान के पहले ही महीने में उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं। इस अभियान में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने लगातार 30 दिन तक शक्कर और मिठाई का सेवन नहीं किया। एक सर्वे में शामिल 500 लोगों में से 76.7% ने बताया कि उनका एनर्जी लेवल पहले से अधिक हो गया है। वहीं, 56% प्रतिभागियों ने दावा किया कि उनका वजन कम हुआ है। 52% लोगों ने जोड़ों के दर्द में राहत मिलने की बात

कही। 40% ने त्वचा में निखार महसूस किया और 20% का कहना था कि उनके जीवन में मानसिक और शारीरिक रूप से सकारात्मक बदलाव आए हैं।

2050 लोग जुड़े, 1800 ने निभाई शुगर से दूरी- अभियान प्रमुख नीरज याग्निक ने जानकारी दी कि यह शुगर फ्री अभियान 20 मार्च से 19 अप्रैल तक चलाया गया, जिसमें कुल 2050 लोग जुड़े। इनमें से 1800 लोगों ने पूरे महीने शकर और मिठाई से पूरी तरह परहेज किया। अभियान की समाप्ति पर सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

ये खाद्य पदार्थ रहे फायदेमंद, डाइट में किया गया शामिल

अभियान के दौरान लोगों को यह समझाया गया कि हरी सब्जियां, ताजे फल, दाल-चावल, रोटी, प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ जैसे पनीर और अंडे लाभकारी हैं। इसके अलावा गुड फैट जैसे नट्स, बीज, जैतून का तेल और बिना शकर का दही भी शरीर के लिए उपयोगी हैं। कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट जैसे शकरकंद, ब्राउन राइस, मल्टीग्रेन ब्रेड, साबुत अनाज का आटा और ओट्स भी डाइट में शामिल किए गए। वहीं दूध, चाय-कॉफी जैसे शुगर फ्री पेय को भी सुरक्षित माना गया।

इन खाद्य पदार्थों से दूर रहने की दी गई सलाह

अभियान के दौरान लोगों को स्पष्ट रूप से यह बताया गया कि शकर, सोडा, मीठी चाय-कॉफी, कोल्डड्रिंक्स, पैक्ड जूस और मीठे डेयरी उत्पाद जैसे शकरयुक्त दही, आइसक्रीम, चॉकलेटी दूध से वजन तेजी से बढ़ता है। इसके अलावा मीठे बिस्किट, कुकीज, टोस्ट, केक, कैंडीज और एल्कोहल के सेवन से भी स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। इन सभी चीजों से परहेज करने पर लोगों को न केवल बेहतर स्वास्थ्य मिला, बल्कि उनकी जीवनशैली में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिले।

नीरज याग्निक ने यह भी बताया कि यह अभियान हर तीन महीने में चलाया जाएगा। इस दौरान व्हाट्सएप ग्रुप्स के जरिए रोजाना तीन वीडियो साझा किए गए, जिनमें सुबह और शाम यह बताया जाता था कि क्या खाना है और क्या नहीं। इसके साथ ही एक डाइट चार्ट भी उपलब्ध कराया गया।

एयर एम्बुलेंस सुविधा का होगा विस्तार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

अस्पताल से घर तक पार्थिव देह ले जाने के लिए जिलों में उपलब्ध होंगे शव वाहन

गुड इवनिंग, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से नागरिकों की स्वास्थ्य समस्याओं का निराकरण किया जाए। कैंसर जैसे रोगों से ग्रस्त नागरिकों को आवश्यक उपचार सुविधाएं प्राथमिकता से दिलवाई जाएं। प्रदेश में अंगदान को प्रोत्साहित किया जाए। पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए जा रहे हैं जो प्रदेश के नागरिकों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध करवाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा अस्पतालों से घर तक पार्थिक देह ले जाने के लिए शव वाहन उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया गया है। यह व्यवस्था जिलों से प्रारंभ होगी जिसका बाद में विकास खण्ड और तहसील स्तर तक विस्तार होगा। प्रदेश में एयर एम्बुलेंस सेवा को अधिक प्रभावी बनाते हुए गंभीर रोगियों के साथ ही दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल नागरिकों को भी सेवाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग

के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने अस्पताल से पोस्ट मॉर्टम एवं मत्यु के अन्य मामलों में पार्थिव देह घर तक ले जाने के लिए शव वाहन उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था प्रारंभ में जिला स्तर पर रहेगी। बाद में इस व्यवस्था को विकास खण्ड और तहसील तक विस्तार किया जाएगा।

एयर एम्बुलेंस सेवा बनाएंगे प्रभावी- मुख्यमत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का प्रथम राज्य है जहां मरीजों के लिए एयर एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध है। इस सुविधा का विस्तार इस तरह किया जाएगा कि किसी भी दुर्घटना स्थल पर भी एयर एम्बुलेंस को पहुंचाया जा सके। दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को चिकित्सक और कलेक्टर द्वारा निर्णय लेकर चिकित्सा संस्थानों तक भेजने की व्यवस्था की जाएगी। वर्तमान में एयर एम्बुलेंस सेवा में एक हेलीकाप्टर और एक एरोप्लेन उपलब्ध है। गरीब से गरीब नागरिक को इस सुविधा का लाभ देने का प्रयास है। भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत राज्य के विभिन्न जोन निर्धारित कर इस सेवा की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

पीपीपी मोड पर नए मेडिकल कॉलेज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में पीपीपी मॉडल पर नए मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए जा रहे हैं। गत वर्ष नीमच, मंदसौर और सिवनी में कॉलेज प्रारंभ किए गए। इस तरह के अन्य मेडिकल कॉलेज भी प्रारंभ होंगे। इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया चल रही है। गंभीर रोगों की आसानी से जांच और उपचार हो इसके लिए यह व्यवस्थाएं की जा रही हैं। प्रदेश में नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है।

अंगदान और देहदान को प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि प्रत्येक जिले में अंगदान की घोषणा करने वालों और देहदान का संकल्प लेने वालों को प्रोत्साहित किया जाए। अंगदान से एक से अधिक रोगियों को लाभ मिलता है। देहदान से चिकित्सा विद्यार्थियों के लिये शल्य क्रिया की दृष्टि से पार्थिव देह की उपलब्धता संभव होती है। अंगदान और देहदान का संकल्प लेने वाले नागरिकों एवं उनके परिजन को महत्वपूर्ण अवसरों पर सम्मानित किया जाए।

सेवानिवृत्त चिकित्सा विशेषज्ञों की सेवाएं लेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि विभिन्न सेवानिवृत्त चिकित्सा विशेषज्ञों की सेवाएं विभिन्न चिकित्सा महाविद्यालयों में नागरिकों के उपचार में प्राप्त की जाएं। ?नए मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों के पदों को भरने की प्रक्रिया भी संचालित है।

अनेक स्वास्थ्य योजनाओं की हुई समीक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में स्वास्थ्य संस्थाओं में मानव संसाधन और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था, मातृ शिशु संजीवनी कार्यक्रम, अनमोल 2.0 के माध्यम से माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य की शत प्रतिशत ट्रेकिंग और मानीटरिंग और आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन, स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश प्रोत्साहन नीति 2025 के क्रियान्वयन, अस्पतालों के निरीक्षण, स्वास्थ्य संस्थाओं के भवनों के निर्माण, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, शत प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने, महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ कुपोषण समाप्ति के लिए संयुक्त प्रयास, स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवाचार और आम जन को बेस्ट प्रैक्टिसेस से अवगत करवाने, टीकाकरण पल्स पोलियो अभियान, डे-केयर सेंटर के संचालन, मोबाइल मेडिकल यूनिट और नर्सिंग महाविद्यालयों के निर्माण से संबंधित चर्चा एवं समीक्षा की।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लि. भोपाल ने सोलर नेट मीटरिंग सिस्टम में लगने वाले टेस्टिंग शुल्क में की भारी बढ़ोतरी, सोलर वेंडर्स ने पीएम से लगाई गुहार

साढ़े सात गुना बढ़ाया शुल्क, 1680 के बजाय वसूल रहा 12450 रुपए

गुड इवनिंग, भोपाल

ऐसे में बंद करना पड़ेगा कारोबार, विद्युत नियामक आयोग जाएंगे सोलर वेंडर्स

मध्यप्रदेश में सोलर ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ रहा है। भोपाल शहर में 1100 मेगावाट सोलर ऊर्जा का लक्ष्य रखा गया है, जिससे 285 लाख पेड़ों के बराबर कार्बन उत्सर्जन कम होगा। सरकार और निगम दोनों सोलर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लि. भोपाल द्वारा इस योजना पर पलीता लगाया जा रहा है, जिससे सोलर वेंडर अपने कदम पीछे खींच रहे हैं। कंपनी द्वारा सोलर नेट मीटरिंग सिस्टम में लगने वाले मीटर की टेस्टिंग शुल्क में भारी बढ़ोतरी की गई है, जिससे आहत होकर सोलर वेंडर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पत्र में सोलर वेंडर्स ने लिखा है कि ह्यमैं मध्यप्रदेश के सभी सोलर वेंडर की ओर से आपसे करबद्ध प्रार्थना करता हूं कि आपके द्वारा सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने हेतु हो रहे प्रयासों में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लि. भोपाल द्वारा बहुत अधिक व्यवधान उत्पन्न किये जा रहे हैं।

सिस्टम में लगने वाले मीटर की टेस्टिंग शुल्क 1680 रुपये ही लगती आ रही है तथा मध्यप्रदेश

के अन्य विद्युतु विभाग पश्चिम क्षेत्र और पूर्व क्षेत्र में भी यही शुल्क निर्धारित है, परंतु मध्य क्षेत्र भोपाल द्वारा 4 अप्रैल 2025 को सर्कुलर जारी कर शुल्क 12450 रुपये कर दिया गया है। जबकि एक 3 किलोवाट के सोलर में बड़ी मुश्किल से 10 से 15 हजार रुपये मुनाफा लिया जा सकता है, लेकिन अगर इस सर्कुलर को माना जाए तो वेंडर को नुकसान कर काम करने से बेहतर व्यापार बंद करना रहेगा या फिर सिस्टम की लागत बढ़ाना पड़ेगी। वर्तमान समय में कस्टमर सिस्टम की लागत को ही ज्यादा कहता है तो रेट कैसे बढ़ाया जाए। सोलर वेंडर्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रार्थना की है कि इस विषय पर संज्ञान लेकर वेंडर का व्यापार बंद होने से बचाने में सहायता करें।

मीटर की कीमत से ज्यादा टेस्टिंग शुल्क- सबसे आश्चर्य की बात यह है कि सोलर नेट मीटर की कीमत ही 5448 रुपए है, जबकि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा टेस्टिंग के नाम पर मीटर की लागत से दोगुनी फीस वसूली जा रही है। यह फीस 12450 रुपए है।

सोलर वेंडर जाएंगे विद्युत नियामक आयोग

सूत्रों के अनुसार विद्युत वितरण कंपनियों को यह अधिकार नहीं है कि विद्युत से संबंधित कोई भी चार्ज बढ़ा सके। यह अधिकार केवल विद्युत नियामक आयोग को है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के आदेश के खिलाफ वेंडर्स विद्युत नियामक आयोग का भी दरवाजा खटखटाएंगे।

ये है सोलर नेट मीटर

यह एक प्रणाली है जिसके तहत आप अपनी छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर बिजली उत्पन्न कर सकते हैं और अतिरिक्त बिजली को बिजली ग्रिड में वापस बेच सकते हैं। नेट मीटर एक विशेष प्रकार का मीटर है जो आपकी बिजली के उपयोग और उत्पादन को मापता है और आपकी बिजली के बिल को समायोजित करता है। टेस्टिंग शुल्क मीटर की सटीकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए लिया जाता है।

भोपाल की आदमपुर खंती में भीषण आग

भोपाल। भोपाल के आदमपुर स्थित कचरा खंती में मंगलवार दोपहर भीषण आग लग गई। कचरे के पहाड़ में आग से 50 फीट ऊंची लपटें उठ गईं 10 किलोमीटर दूर से भी धुआं उठते हुए नजर आया। दोपहर करीब 1 बजे खंती में पड़े कचरे में आग लगी, जो धीरे-धीरे भीषण हो गई। जनपद सदस्य संतोष प्रजापति ने बताया कि कचरे का धुआं आसपास के कई गांवों में पहुंच गया। जिससे लोगों की आंखों में जलन होने लगी। खंती में आग लगने की सूचना मिलते ही नगर निगम की दमकलें मौके पर पहुंची और काबू पाने में जुट गईं। हालांकि, दो घंटे बाद भी आग भीषण रही। बताया जाता है कि खंती के मुख्य गेट के पास आरडीएफ के ढेर से अचानक धुआं निकलने लगा। आग भडक ी तो यहां मौजूद कर्मचारियों ने कचरा हटाने की कोशिश की। इसके बाद फायर ब्रिगेड की मदद से आग बुझाना शुरू किया।

लाखों कर्मचारी मई के वेतन में लाभ से हो जाएंगे वंचित

भोपाल। मध्यप्रदेश का वित्त विभाग वाहन भत्ता एवं विकलांग भत्ता आदेश जारी करना भूल गया है। 1 अप्रैल 2025 को कैबिनेट की मंजूरी के बाद 5 भत्तों के हुए आदेश में से 2 के आदेश अभी तक जारी नहीं हुए है। आदेश जारी नहीं होने से प्रदेश के लाखों कर्मचारि मई के वेतन में लाभ से वंचित हो जाएंगे। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया है कि 1 अप्रैल 2025 को कैबिनेट बैठक में प्रदेश के कर्मचारियों के गृह भाड़ा भत्ता, स्थाई यात्रा भत्ता, अनुग्रह भत्ता, दोहरा कार्य भत्ता अव्यवसायिक वाहन भत्ता, विकलांग भत्ता वृद्धि करने की मंजूरी देने के बाद 3 अप्रैल को वित्त विभाग द्वारा वाहन भत्ता 200 से 384 एवं विकलांग भत्ता 350? से?675 करने के आदेश को छोडकर उक्त अन्य सभी आदेशों का लाभ 1 अप्रैल 2025 से प्रदेश के कर्मचारियों मई 25 के वेतन से मिलेगा।

अधूरे नल-जल प्रोजेक्ट को लेकर 24 से बैठेंगे भूख हड़ताल पर

अफसरों की मनमानी और नाफरमानी के खिलाफ जिपं उपाध्यक्ष ने खोला मोर्चा

गुड इवनिंग, भोपाल

भोपाल के आधे से ज्यादा गांवों में नल-जल प्रोजेक्ट अधूरे हैं। इस कारण गांवों की बड़ी आबादी को गर्मी में पानी के लिए परेशान हो रहा है। इसे लेकर जिला पंचायत की बैठक में मुद्दा भी उठ चुका है, पर पीएचई विभाग के जिम्मेदार नहीं जागे। इस कारण जिपं उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को पत्र लिख दिया। कहा कि जिपं ऑफिस परिसर में ही 24 अप्रैल से भूख हड़ताल पर बैठूंगा।

कलेक्टर को पत्र लिखते ही सीईओ ईला तिवारी ने नल-जल योजनाओं के बारे में 3 दिन में रिपोर्ट मांग ली। उन्होंने जनपद पंचायत फंदा एवं बैरसिया अंतर्गत स्वीकृत, हस्तांतरित, ट्रायलरन, प्रगतिरत नल-जल योजनाओं के निरीक्षण, जांच कराने के लिए टीमें बना दी। इस टीम में पीएचई, जनपद के इंजीनियर, सचिव, रोजगार सहायक शामिल किए गए हैं, जो जिला पंचायत के सभी सदस्य को अवगत कराते हुए निरीक्षण/जांच करेंगे। संबंधित टीमें ग्राम पंचायत में मौके पर जाकर नल-जल योजना की वर्तमान स्थिति, योजना प्रारंभ है या योजना बंद पड़ी हुई है? ग्राम पंचायत में वर्तमान में पेयजल की स्थिति आदि की जानकारी, पूर्ण-अपूर्ण, ट्रायल रन, प्रगतिरत नलजल योजनाओं से संबंधित निरीक्षण और जांच प्रतिवेदन 3 दिन में मांग लिया।

उपाध्यक्ष के साथ सदस्य भी भूख हड़ताल करेंगे

जिपं उपाध्यक्ष जाट ने कलेक्टर को पत्र लिखा कि 27 मार्च को साधारण सभा की बैठक हुई थी। इसमें जल जीवन मिशन योजना के तहत विभागीय अधिकारियों को 15 दिन में अधूरी नल-जल योजनाओं को पूरा करने को कहा गया था, लेकिन 21 अप्रैल का दिन भी बीत गया। बावजूद अब तक न तो कोई रिपोर्ट दी गई और न ही गांवों में पेयजल संकट खत्म हुआ है। वर्तमान में खजूरी, गुनगा, कनेरा, शाहपुरा, देवपुरा, गोलखेड़ी, कोठार, चंदेरी, ढुपडि?ा, कालापीपल, बागापुरा, तारा सेंवनिया, आचारपुरा, करारिया, सेंमरीखुर्द, खितवास, चाचाहेड़ी, गोंदीपुरा, परवलिया, बरेलाखेड़ा, लहारपुरा समेत कई पंचायतों में लोग पानी के लिए परेशान हो रहे हैं।

प्रोजेक्ट गांवों में शुरू नहीं और पैसा निकाल लिया

जिपं सदस्य विनय मेहर ने कहा कि अधिकारी और ठेकेदारों की मिलीभगत से सरकार के पैसे का दुरुपयोग किया गया है। कई पंचायतें ऐसी हैं, जहां अभी भी नल-जल योजनाएं अधूरी हैं, पर पैसा पूरा निकाल लिया गया है। यदि जल स्तर नीचे चला गया है तो तुरंत वहां पर दूसरा ट्यूबवेल खनन करना चाहिए। ताकि ग्रामीणों को पर्याप्त पानी मिल सके। बावजूद ऐसा नहीं हो रहा है। इस कारण भोपाल की करीब 95 प्रतिशत नल-जल योजना ठप पड़ी है। इसकी उच्च स्तरीय जांच होना चाहिए।

रोजगार मेले का आयोजन 28 अप्रैल को

भोपाल। जिला रोजगार अधिकारी भोपाल ने बताया कि युवा संगम (रोजगार मेला) का आयोजन 28 अप्रैल 2025 को प्रातः10 बजे से जिला रोजगार कार्यालय, ईदगाह हिल्स, भोपाल में किया जा रहा है जिसमें 15 मल्टिनेशनल कंपनियां एवं 03 स्वरोजगार से संबंधित संस्थायें शामिल होगी। उन्होंने मध्यप्रदेश के सभी रोजगार के इच्छुक आवेदक, आवेदिकाओं से अपील की है कि वे अपने समस्त मूल प्रमाण - पत्रों एवं अपना बायोडाटा सहित साक्षात्कार के लिए 28 अप्रैल को प्रातः 10 बजे उपस्थित होकर युवा संगम रोजगार मेला का सुनहरा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर का लाभ प्राप्त सकते है। भर्ती कंपनियों द्वारा अपनी शर्तों पर की जाएगी। साक्षात्कार के समय, कंपनी से समस्त जानकारी स्वंय प्राप्त करें।

बेसलाइन सर्वे के लिए संबंधित विभागों से भी समन्वय कर कार्य करें : संभागीय आयुक्त

बेसलाइन सर्वे की समीक्षा बैठक आयोजित

गुड इवनिंग, ग्वालियर

मध्यप्रदेश नेशनल पार्क सेंचुरी के इकोसेंसेटिव जोन के मास्टर प्लान निर्माण हेतु घाटीगाँव-हुकना अभ्यारण्य क्षेत्र में अधिकृत कंपनी द्वारा किए गए बेसलाइन सर्वे की समीक्षा बैठक संभागीय आयुक्त मनोज खत्री की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बेसलाइन सर्वे के प्रजेंटेशन के दौरान संभागीय आयुक्त द्वारा संबंधित विभागों से समन्वय कर विभागीय योजनाओं का भी सर्वे में समावेश करने के निर्देश दिए गए।

संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, सीईओ जिला पंचायत विवेक कुमार, नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय सहित सीसीएफ, डीएफओ, चीफ इंजीनियर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, संयुक्त संचालक टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बेसलाइन सर्वे के लिये अधिकृत कंपनी के प्रतिनिधियों ने घाटीगाँव क्षेत्र में किए गए सर्वे को प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया। संभागीय आयुक्त श्री मनोज खत्री ने कहा कि विद्युत विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगर निगम एवं टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग विभाग से समन्वय कर सर्वेक्षित ग्रामों में विभागीय योजनाओं की जानकारी लेकर उनका समावेश भी किया जाए। इसके साथ ही वन विभाग के अधिकारियों के साथ भी चर्चा कर उनकी योजनाओं को समझकर सर्वेक्षण में शामिल किया जाए।

पुल से नीचे गिरी बोलेरो 8 की मौत, 6 गंभीर

दमोह। मध्य प्रदेश के दमोह जिले के नोहटा थाना अंतर्गत ग्राम सिमरी के समीप महादेव घाट सुनार नदी के पुल पर मंगलवार सुबह भीषण हादसा हो गया। सुबह करीब 11:00 बजे एक बोलेरो गाड़ी अनियंत्रित होकर पुल से नीचे नदी में गिर गई। हादसे में 8 लोगों की मौत हुई है, जबकि 6 गंभीर घायल हैं। मरने वालों में एक बच्ची सहित पांच महिलाएं शामिल हैं। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक श्रुत कीर्ति सोमवंशी ने बताया कि मंगलवार सुबह जबलपुर जिले के कटंगी पौड़ी गांव के समीप के निवासी दो बोलेरो गाडि?ों से दमोह जिले के हिंडोरिया थाना अंतर्गत ग्राम घाटपिपरिया से कैंसर की दवा लेकर लौट रहे थे। इसी बीच सिमरी के पास सुनार नदी के पुल पर एक बोलेरो अनियंत्रित होने से नदी में गिर गई।

कलेक्टर ने निगमायुक्त एवं अधिकारियों के साथ किया आनंद पर्वत का निरीक्षण

हरि पर्वत की तर्ज पर विकसित होगा आनंद पर्वत

गुड इवनिंग, ग्वालियर

हरि पर्वत की तरह ही आनंद पर्वत को भी हरा-भरा बनाया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने मंगलवार को हरि पर्वत के सामने ही स्थापित आनंद पर्वत का निरीक्षण कर विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, अपर आयुक्त श्री मुनीष सिकरवार, एसडीएम श्री विनोद सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने अधिकारियों से कहा है कि आनंद पर्वत को विकसित करने के लिये सभी आवश्यक तैयारियाँ तत्परता से प्रारंभ की जाएं। आनंद पर्वत पर लगभग 4 बीघा जमीन उपलब्ध है, जिसको हरा-भरा बनाने का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा है

कि हरि पर्वत की तरह ही आनंद पर्वत को भी सभी के सहयोग से विकसित करने का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। इस कार्य में शहर की सामाजिक संस्थाओं, गणमान्य नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों का भी सहयोग लिया जायेगा। सर्वप्रथम आनंद पर्वत की भूमि को उपजाऊ बनाने के लिये कार्य किया जायेगा। इसके साथ ही वृहद रूप से वृक्षारोपण करने के साथ ही वॉकिंग ट्रैक का निर्माण भी किया जायेगा। आनंद पर्वत को पर्यटन की दृष्टि से भी विकसित करने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जायेंगे।

जन आकर्षण का केन्द्र बना है हरि पर्वत

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने बताया कि उच्च न्यायालय खण्डपीठ के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री आनंद पाठक की पहल पर नवम्बर माह में हरि पर्वत को हरा-भरा करने का कार्य हाथ में लिया गया था। सभी के सहयोग से पर्वत पर वृहद वृक्षारोपण किया गया। हरि पर्वत आज जन आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। पर्वत पर बड़ी संख्या में वृक्ष लहलहा रहे हैं। इसके साथ ही अनेक प्रकार के पक्षी भी हरि पर्वत पर देखे जा सकते हैं। शहर के गणमान्य नागरिक भी हरि पर्वत पर पहुँचकर हरियाली का आनंद ले रहे हैं। इसी तर्ज पर आनंद पर्वत को भी हरा-भरा बनाने का सार्थक प्रयास प्रारंभ हो गया है।

अब आम युवा को भी मिल सकेगा नेता बनने का अवसर

युवा कांग्रेस चुनाव : ब्लॉक अध्यक्ष पद के लिए पहली बार होगी वोटिंग, मोबाइल एप से होगी प्रक्रिया, 27 से शुरू होगी नामांकन प्रक्रिया

गुड इवनिंग, धार

मध्य प्रदेश में पहली बार युवा कांग्रेस आम युवा को नेता बनने का अवसर दे रही है। यही नहीं ब्लाक अध्यक्ष भी चुनाव के माध्यम से ही चुना जाएगा। संगठन ने चुनाव प्रक्रिया में संशोधन करते हुए यह व्यवस्था की है।

संगठन की ओर से भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय को कॉर्डिनेटर राजेश रलिया धार जिला कांग्रेस कार्यालय पधारे यहां राजेश रलिया जी ने प्रेस वार्ता में बताया कि नामांकन 27 अप्रैल से 6 मई तक स्वीकार किए जाएंगे। मतदान विथ आईवायसी एप के माध्यम से होगा। सदस्य बनते ही उसे मतदान करना होगा। एक सदस्य छह वोट डालेगा।

रलिया ने बताया कि घोषणा के साथ ही चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। 27 अप्रैल से नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। नामांकन वही युवा कर पाएंगे, जो 18 से 35 वर्ष आयु के होंगे। इसकी गणना का आधार नामांकन की अंतिम तिथि रहेगी। नामांकन के बाद दावा-आपत्ति करने के लिए 28 अप्रैल से 7 मई तक का समय दिया जाएगा। निर्वाचन दल नियमों के आधार पर निराकरण 9 मई तक करेगी। चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची को 11 मई को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके बाद एक माह का सदस्यता अभियान चलेगा। इसके साथ ही मतदान की प्रक्रिया भी प्रारंभ हो जाएगा।

आयु संबंधी मापदंड को पूरा करना होगा-संगठन के मोबाइल एप के माध्यम से आनलाइन मतदान होगा। वे सभी युवा चुनाव लड़ने के पात्र होंगे, जो सदस्य होंगे और आयु संबंधी मापदंड को पूरा करेंगे। आयु के प्रमाण के लिए अंकसूची देनी होगी।

युवा कार्यकताओं से हुई वन टू वन चर्चा-जिला कांग्रेस कार्यालय में रलिया ने युवा संगठन के कार्यकताओं से वन टू वन चर्चा कर चुनाव संबंधित जानकारी साझा की। बैठक के दौरान शहर कांग्रेस अध्यक्ष जसबीर सिंह छाबड़ा, जिला युवा कांग्रेस के दोनों अध्यक्ष रोहित कामदार एवं पीयूष ग्वाल सहित सरदारपुर विधानसभा अध्यक्ष दिनेश चौधरी, परितोष सिंह राठौर, सोनू जाट, सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष भार्गव, प्रदीप शरण, सरदारपुर ब्लॉक अध्यक्ष अर्जुन गहलोत, मोहम्मद अली, संजय प्रजापत, रवि योगी, राहुल, अर्पित बाबा, सहित युवा कांग्रेस के नेता उपस्थित थे। उक्त जानकारी युवा कांग्रेस के जिला प्रवक्ता जीतू बाबा चौहान ने दी।

जर्जर हो रही पीएम सड़क, रखरखाव नहीं होने के कारण लोग परेशान

सड़क पर गड्ढे और गिट्टी से गुजर रहे राहगीर

गुड इवनिंग, सारंगपुर

सारंगपुर के शासकीय स्वामी विवेकांनद कॉलेज के पास एबी रोड़ से कांकरिया मीना गांव तक प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत करीब वर्ष 2020 में सड़क निर्माण किया गया है। ग्रामीणों के मुताबिक सड़क निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं दिया गया है। प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत बनी करीब 3.12 किमी सड़क महज कुछ माह में ही खराब हो गया। गुणवत्ताहीन सड़क से गिट्टी उखड़ने लगी है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है। निर्माण के कुछ माह बाद ही सड़क खराब होने के बाद अब भी सड़क का रखरखाव नहीं होने से लोगों में आक्रोश है। जब इस सड़क का निर्माण किया गया था तो लोगों को इस बात की खुशी थी कि उन्हें आवागमन में सुविधा होगी। लेकिन 1 करोड़ 7 लाख 87 हजार रुपये की लागत से बनी सड़क कुछ समय बाद ही उखड़ने लगी। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में गलत अनुपात व गलत तरीके से मटेरियल डाला गया है। जिसमे सड़क जल्द ही जर्जर हो गई है। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को देते हुए जांच कर कड़ी कार्रवाई की बात कही।

जुलाई 2025 तक है रखरखाव की जिम्मेदारी

एबी रोड से कांकरिया मीना तक पैकेज क्रमांक एमपी 30एमटीएम074, 5 वर्ष के रखरखाव की लागत 33.30 लाख तथा ठेकेदार जगदीश सक्सेना को 6 जुलाई 2020 से 5 जुलाई 2025 तक सड़क का रखरखाव करना था लेकिन ठेकेदार ने ऐसा नहीं किया।

बोले जिम्मेदार

एबी रोड़ से कांकरिया मीणा तक लंबाई 3.12 किमी सड़क तो बनाई गई थी। लेकिन अब रोड़ नया स्वीकृत है और टेंडर होने वाला है। जल्द ही काम शुरू कराएंगे। कांकरिया-सारंगपुर के बीच में हाइवे के दो एप्रोच बनाकर समस्त समस्या का समाधान कराया जाएगा।

-जगदीश पाटीदार, इंजीनियर,
पीएम सड़क, ब्यावरा।

जुए पर लगाम लगाने में नाकाम नेमावर थाना प्रभारी को भेजा पुलिस लाइन

गुड इवनिंग, खातेगांव

जुए पर प्रभावी नियंत्रण लगाने में नाकाम नेमावर थाना प्रभारी को एसपी ने पुलिस लाइन भेज दिया है। इसके साथ ही जिले में आधा दर्जन थाना प्रभारी की अस्थाई रूप से प्रासंगिक कार्य सुविधा की दृष्टि से आगामी आदेश तक उन्हें अन्य थानों में पदस्थ किया गया है। इनमें उदय नगर थाना प्रभारी कल्लू सिंह परस्ते को भी पुलिन लाइन में भेजा गया है।

एसपी ने की कार्रवाई, जिले में आधा दर्जन थाना प्रभारी किए इधर से उधर

नेमावर थाना क्षेत्र में जुआ खेलने को लेकर देवास के अलावा अन्य जिलों से बड़ी संख्या में जुआरी पहुंच रहे थे। पुलिस के खिलाफ भी जुआरियों को नजर अंदाज के आरोप लगे थे। एसपी पुनीत गहलोत तक यह शिकायते पहुंची थी। इसके बाद उन्होंने मुखबिरों के माध्यम से जुए को तस्दीक करवाई। जुआ खेलने की पुष्टि होने पर नेमावर थाना क्षेत्र मे बाईपास के नजदीक ग्राम गुराड़िया के खेत मे हुए के अड्डे पर कार्रवाई करवाने के लिए एसडीओपी आदित्य तिवारी

कन्नौद थाना प्रभारी तहजीब काजी को निर्देश एसपी ने दिए। इसके बाद दोनों अधिकारियों ने कन्नौद थाने के विश्वस्त पुलिस कर्मियों की टीम बनाई ओर नर्मदा किनारे मूंग की फसल में पानी देने वाले मजदूर बनकर जुए के अड्डे पर दबिश दी। दबिश इतनी गोपनीय थी कि नेमावर थाना प्रभारी को भी इस दबिश की भनक तक नहीं लगी और मुखबिर के बताएं स्थान में जाकर छापामार कार्रवाई करवाई। इससे पूर्व भी नेमावर थाना क्षेत्र के एक गांव में जुए के अड्डे पर बडी कार्रवाई के बाद थाना प्रभारी और चार पुलिस कर्मियों के खिलाफ भी बड़ी कार्रवाई हुई थी।

कन्नौद थाना प्रभारी तहजीब काजी और उनकी पुलिस टीम ने इससे पहले कन्नौद थाना क्षेत्र के एक गांव में भूसै की गाड़ी भरने वाले मजदूर बनकर एक जुए के अड्डे पर दबिश देकर कई जुआरियों को गिरफ्तार किया था।

रायचंद नागड़ा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय खंडवा में मनाया विश्व पृथ्वी दिवस

गुड इवनिंग, खंडवा

प्रकृति की रक्षा करना हम सब का दायित्व है उक्त विचार इको क्लब के जिला नोडल संदीप जोशी ने श्री रायचंद नागड़ा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय खंडवा में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर व्यक्त किए गए उन्होंने कहा कि पृथ्वी हमारी माता के समान है हमे प्राकृतिक स्त्रोतों का संरक्षण करना चाहिए। जिला शिक्षा अधिकारी पी एस सोलंकी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम अवसर पर एडीपीसी रमसा एवं इको क्लब की जिला मास्टर ट्रेनर संगीता सोनवाने ने प्रत्येक पेड़ के क्यूआर कोड बनाने की विधि के संबंध में विद्यार्थियों को जानकारी उन्होंने कहा कि हममें पर्यावरण संरक्षण की आदत होनी चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित जिला क्रीड़ा अधिकारी पीडी डोंगरे ने विद्यार्थियों को अपने उद्बोधन में कहा कि प्रत्येक कक्षा के 10 विद्यार्थियों को मिलकर एक पौधे के संरक्षण की जिम्मेदारी लेना चाहिए। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य भूपेंद्र सिंह चौहान ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की महती आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। संचालन एवं आभार संस्था की इको क्लब प्रभारी सुश्री रजनी दुबे द्वारा व्यक्त किया गया। उनके द्वारा विद्यार्थियों को पेड़ों का क्यूआर कोड बना कर भी बताया गया।

जनपद पंचायत सीईओ ने ली समीक्षा बैठक, अधूरे कामों को जल्द पूरा करने के दिए निर्देश

गुड इवनिंग, सारंगपुर

जनपद पंचायत सारंगपुर कार्यालय में मुख्य कार्यपालन अधिकारी की अध्यक्षता में मंगलवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी कृपाल पैरवाल पीसीओ एवं उपयंत्रियों के विभिन्ना निर्माण कार्यों की समीक्षा की। साथ ही समुदायिक भवन, ग्राम चौपाल, आंगनबाडी भवन, समुदायिक शौचालय आदि की समीक्षा भी की गई। समीक्षा बैठक में जनपद सीईओ श्रीपरैवाल ने कहा कि आप सभी अपने-अपने उत्तरदायित्व को समझे और समय सीमा से काम पूरा करें, अन्यथा समय सीमा में काम पूरा न होने पर और काम के प्रति लापरवाही मानते हुए कार्रवाई की जाएगी। साथ ही समग्र स्वच्छता अभियान के अंतर्गत होने वाले निर्माण कार्यों की पंचायत वार समीक्षा की। पंचायत प्रभारी उपयंत्रियों को पंचायतों में कराए जा रहे निर्माण कार्यों की सतत मॉनिटरिंग की जाए जिससे कार्य को गति मिले सकें। इस मौके पर उन्होने 28 अप्रैल को सारंगपुर में होने वाले मुख्यमंत्री के दौरे की भी समीक्षा की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं के लाभ के लिए प्रत्येक पात्र हितग्राही का अनिवार्य रूप से बैंक में खाता खोला जाए, और समय पर वृद्धा पेंशन, पीएम आवास योजना का लाभ पात्र हितग्राही को दिया जाए। पीएम आवास के अधूरे कार्य को शीघ्रता से पूरा किया जाए। सीईओ श्रीपैरवाल ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि विकास तेजी से हो एवं सीएम हेल्पलाइन का निराकरण समयसीमा में हो। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में फील्ड पर भ्रमण करें, किसी प्रकार कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो मेरे संज्ञान में लाना सुनिश्चित करें। सीईओ ने कहा कि प्रदेश सरकार सीएम हेल्पलाइन पर विशेष जोर दे रही है।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की

बैठक में सीईओ ने कहा कि सारंगपुर जनपद में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्रोतों की स्वच्छता, संरक्षण और उनकी देखरेख के कार्यों में नागरिकों की भागीदारी और जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेकर अच्छे परिणाम सामने लाएं। शासन स्तर पर अभियान की निरंतर समीक्षा की जा रही है और डैश बोर्ड पर ग्राम स्तर के कार्यो को दर्ज करने का कार्य भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री यादव ने खंडवा कलेक्टर गुप्ता को किया पुरस्कृत

स्मार्ट टीवी से शिक्षा के क्षेत्र में किया था नवाचार

गुड इवनिंग, खंडवा

राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार वित्त वर्ष 2022-23 के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में आयोजित सम्मान समारोह में 16 लोक सेवकों को नवाचारों एवं उत्कृष्ट कार्यों के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए। इसी क्रम में खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता को पूर्व में देवास जिले में स्मार्ट टीवी से शिक्षा प्रदान करने जैसे उल्लेखनीय कार्य के लिए 1 लाख रुपये की राशि का चेक एवं प्रशस्ति पत्र से मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया।

भारतीय किसान यूनियन का अनोखा प्रदर्शन

भैंस पर 'मध्यप्रदेश सरकार' लिखकर बजाई पुंगी

गुड इवनिंग, खातेगांव

देवास जिला मुख्यालय से 140 किलो मीटर दूर स्थित खातेगांव के बस स्टैंड के पास भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के बैनर तले पिछले छह दिनों से धरना-आंदोलन जारी है। आंदोलन के छठे दिन किसानों ने एक अनोखा प्रदर्शन कर सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने एक भैंस पर 'मध्यप्रदेश सरकार' लिखकर, बैंड-बाजे के साथ पुंगी बजाते हुए प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगें रखीं। किसानों ने सरकार पर पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि स्मध्यप्रदेश सरकार को अब नींद से जागना चाहिए और किसानों की समस्याओं का जल्द निराकरण करना चाहिए। यूनियन के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश तिवारी ने बताया कि किसानों की जायज मांगों को लेकर वह बीते छह दिनों से धरने पर बैठे हैं और संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा जा चुका है। बावजूद इसके, अभी तक किसी भी अधिकारी या सरकार द्वारा उनकी सुध नहीं ली गई है।

किसानों की मुख्य मांगें इस प्रकार हैं

- किसानों के ऋण की वसूली की तारीख 30 जून तक बढ़ाई जाए, जिससे वे भारी ब्याज से बच सकें।
- भूमि अधिग्रहण बिल 2025 को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए।
- मां रेवा सिंचाई योजना की पाइपलाइन का कार्य शीघ्र पूर्ण कराया जाए।
- इंदौर-बुधनी रेल लाइन के लिए अधिग्रहित भूमि का मुआवजा बाजार दर से चार गुना दिया जाए।
- एनएच हाईवे पर ग्राम पांडियादेह के पास बने अंडरपास की वजह से किसान अपनी कृषि मशीनें नहीं निकाल पा रहे हैं, जिससे फसल कटाई में समस्या हो रही है। अतः सर्विस रोड का निर्माण जल्द कराया जाए।

ट्रेनें अब 130 की जगह 160 किमी की रफ्तार से दौड़ेंगी

रेलवे का बड़ा प्लान, सफर का टाइम कम होगा, कनेक्टिविटी भी बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रेलवे ने ट्रेनों की स्पीड को लेकर बड़ा ऐलान किया है। अब ज्यादातर ट्रेनें 130 किमी/घंटा की जगह 160 किमी/घंटा की रफ्तार से दौड़ेंगी। 2025-26 के लिए रेलवे ने 2.65 लाख करोड़ रुपए का बजट रखा है, जिसमें स्पीड अपग्रेड, सेफ्टी और इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस है। वंदे भारत और नमो भारत जैसी सेमी-हाई-स्पीड ट्रेनें 183 किमी/घंटा तक की टेस्टिंग कर चुकी हैं। इस प्लान से सफर का टाइम कम होगा और कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

रेलवे का ये प्लान मिशन मोड में है। 2025 तक गोल्डन क्वाड्रिलैटरल और डायगोनल रूट्स पर 160 किमी/घंटा की स्पीड लागू होगी। दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा जैसे बिजी रूट्स पर प्रीमियम ट्रेनें पहले फायदा उठाएंगी। रेलवे ने ट्रैक अपग्रेड के लिए 3000 किमी नए रेल लाइन और 7000 किमी डबलिंग का टारगेट रखा है। कवच 5.0 सिस्टम भी दिसंबर 2025 तक मेट्रो और सबअर्बन ट्रेनों में आएगा, जो सेफ्टी और स्पीड बढ़ाएगा।

चैलेंज ये है कि पुराने ट्रैक और सिग्नल सिस्टम को अपग्रेड करने में टाइम और पैसा दोनों लगेगा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर प्लान सही से लागू हुआ, तो 2030 तक भारत का रेल नेटवर्क ग्लोबल स्टैंडर्ड्स को टक्कर देगा।

रेलवे की सबसे बड़ी ताकत कवच 5.0 : कवच 5.0 रेलवे की सबसे बड़ी ताकत बनने वाला है। ये ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम टक्कर और डिरेलमेंट जैसी दुर्घटनाओं को रोकेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि दिसंबर 2025 तक ये सिस्टम मेट्रो और सबअर्बन ट्रेनों में फिट हो जाएगा। कवच 5.0 से ट्रेनों की कैपेसिटी 1.5 गुना बढ़ेगी, खासकर मुंबई जैसे बिजी रूट्स पर।

रेलवे ने और कंपनियों को ट्रायल्स के लिए बुलाया : अभी तीन मैन्युफैक्चरर्स कवच सप्लाई कर रहे हैं, और रेलवे ने और कंपनियों को ट्रायल्स के लिए बुलाया है। पुराने रूट्स पर 130 किमी/घंटा की स्पीड को कवच के साथ 160 तक ले जाना आसान होगा। लेकिन छोटे स्टेशनों और रूरल एरियाज में इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड अभी बाकी है। अगर ये सिस्टम सक्सेसफुल रहा, तो भारत की ट्रेनें स्पीड और सेफ्टी में यूरोपियन रेलवे को टक्कर देंगी।

वंदे भारत और नमो भारत : वंदे भारत और नमो भारत ट्रेनें इस स्पीड प्लान का चेहरा हैं। वंदे भारत ने 183 किमी/घंटा की टेस्ट स्पीड हासिल की है, और 2025 में इसके 100 नए रेक लॉन्च होंगे। नमो भारत ट्रेनें, जो 180 किमी/घंटा तक दौड़ सकती हैं, नोएडा एयरपोर्ट से न्यू आगरा जैसे रूट्स पर चलेंगी। रेलवे का टारगेट है कि 2047 तक 4500 वंदे भारत ट्रेनें चलें। इसके अलावा, मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड कॉरिडोर पर जापान की शिंक ट्रेनें 320 किमी/घंटा की स्पीड से 2027 तक शुरू होंगी। लेकिन चैलेंज है कि इन ट्रेनों के लिए डेडिकेटेड ट्रैक और हाई-टेक सिग्नलिंग चाहिए। रेलवे ने 2025-26 में 1.61 बिलियन टन फ्रेट और 2.65 लाख करोड़ की रेवेन्यू का टारगेट रखा है, जो इस प्लान को फंड करेगा। अगर आप ट्रेन से सफर करते हैं, तो जल्दी ही कम टाइम में ज्यादा दूरी तय करने का मजा ले पाएंगे।

जापान सरकार ने कर्मचारियों के लिए बनाया नया नियम

सप्ताह में 4 दिन काम करें, बाकी दिन पार्टनर से प्यार करें

टोकियो, एजेंसी

एक तरफ भारत में उद्योगपति 70 से 90 घंटे प्रति सप्ताह काम करने की वकालत कर रहे हैं, वहीं जापान ने कार्य और जीवन के बीच संतुलन साधने के लिए सप्ताह में केवल चार दिन काम करने की नई नीति लागू कर दुनिया में भूचाल ला दिया है। यह कदम न केवल वर्क-लाइफ बैलेंस को बढ़ावा देता है, बल्कि जनसंख्या संकट से जूझ रहे जापान की सामाजिक रणनीति का भी हिस्सा है।

जापान में नई वर्क नीति का कारण : टोक्यो मेट्रोपॉलिटन गवर्नमेंट की नई नीति के तहत अब कर्मचारी सप्ताह में चार दिन ही काम करेंगे। टोक्यो की गवर्नर यूरिको कोइके ने कहा, हम चाहते हैं कि महिलाएं परिवार और करियर में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर न हों। यह निर्णय खासकर माता-पिता के लिए फायदेमंद है, जिससे उन्हें बच्चों और घर को समय देने का अवसर मिलेगा। अध्ययनों से पता चला है कि चार दिन कार्य सप्ताह वाले पुरुष अपने बच्चों के साथ 22 प्रश अधिक समय बिताते हैं और घरेलू कार्यों में 23 प्रश अधिक योगदान करते हैं।

जापान के निर्णय से विश्वभर में हलचल : उधर भारत में 90 घंटे काम करने के प्लान को लेकर वर्कर डरे हुए हैं। भारत में हाल ही में एलएंडटी के चेयरमैन एस.एन. सुब्रमण्यन और इंफोसिस के संस्थापक एन.आर. नारायण मूर्ति ने कहा कि देश की प्रगति के लिए युवाओं को सप्ताह में 70-90 घंटे तक काम करना चाहिए। इस विचार को लेकर व्यापक बहस छिड़ गई है। आलोचकों का कहना है कि इतने लंबे समय तक काम करने से मानसिक तनाव बढ़ेगा, पारिवारिक जीवन प्रभावित होगा और कार्य उत्पादकता भी गिर सकती है। वर्तमान में भारत में औसतन 48 घंटे प्रति सप्ताह का कार्य समय है, जिसे लगभग दोगुना करने का विचार व्यवहारिक रूप से कठिन माना जा रहा है।

जापान की जनसंख्या चुनौती : जापान में जन्म दर बहुत कम है एक महिला पर औसतन 1.2 बच्चे, जबकि जनसंख्या स्थिर रखने के लिए यह दर 2.1 होनी चाहिए। जनवरी से जून 2024 के बीच केवल 3,50,074 बच्चों का जन्म हुआ, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.7 प्रश कम है। बूढ़ी होती आबादी और घटती वर्कफोर्स को देखते हुए जापान यह सुनिश्चित करना चाहता है कि युवा परिवार बढ़ाने से न डरें और उन्हें पर्याप्त समर्थन मिले।

प. बंगाल में राष्ट्रपति शासन की मांग वाली याचिका पर नहीं हुई सुनवाई

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन कानून के अमल में आने के बाद पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में समय के आभाव के चलते सुनवाई नही हो पाई। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ जल्द इस मामले को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेगी।

यह याचिका पश्चिम बंगाल के रहने वाले देवदत्त माजी और मणि मुंजाल ने दायर की है। इस महीने वक्फ या इस्लामी धर्मार्थ बंदोबस्त के विनियमन और प्रबंधन के लिए नए कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बाद हिंदुओं पर कथित हमलों का हवाला देते हुए राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने अनुच्छेद 355 के तहत केंद्र सरकार से राज्य की स्थिति पर रिपोर्ट पेश करने और हिंसा की जांच के लिए एक विशेष समिति बनाने की मांग की है।

10 साल से ज्यादा उम्र के नाबालिगों का बैंक खाता खोले आरबीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

अब 10 साल से ज्यादा उम्र के बच्चों को बैंकिंग की आजादी मिलने जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने एक बड़ा बदलाव करते हुए बैंकों को यह अनुमति दी है कि वे 10 साल से अधिक उम्र के नाबालिगों को खुद का सेविंग अकाउंट या फिक्स्ड डिपॉजिट अकाउंट खोलने की सुविधा दें। यह फैसला बच्चों को फाइनेंशियल रूप से जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। आरबीआई द्वारा जारी संशोधित निदेशों के अनुसार अब बैंकों को यह अधिकार होगा कि वे 10 वर्ष से अधिक उम्र के समझदार नाबालिगों को स्वतंत्र रूप से सेविंग या एफडी अकाउंट खोलने की अनुमति दें। पहले केवल अभिभावकों के जरिए ही यह संभव था। अब बच्चों को अभिभावक की मौजूदगी के बिना भी यह सुविधा दी जा सकती है यदि बैंक को लगे कि बच्चा खाते को संचालित करने में सक्षम है। आरबीआई ने यह निर्देश सोमवार को सभी बैंकों को भेजे गए एक सर्कुलर के माध्यम से जारी किया।

केंद्र ने हिमाचल को दिए 73000 करोड़ के प्रोजेक्ट्स

शिमला। केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में इस समय केंद्र सरकार की तरफ से 73000 करोड़ रुपए के प्रोजैक्टों पर काम हो रहा है। इसमें फोरलेन, टू-लेन, पुल निर्माण, सीआरआईएफ और राज्य सरकार के सहयोग से संचालित योजनाएं शामिल हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि हिमाचल प्रदेश में केंद्र सरकार अधिक राशि देना चाहती है, लेकिन राज्य सरकार की तरफ से भूमि अधिग्रहण कार्य एवं एनओसी देने में देरी हो रही है, ऐसे में कार्य के लिए समय पर जमीन नहीं मिलने से कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। अजय टम्टा यहां गेयटी थिएटर में डॉ. अम्बेडकर सम्मान सभा कार्यक्रम को संबोधित करने के अलावा पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा जब तक स्टेट की एजैंसी कार्य करने में मदद नहीं करेगी, तब तक केंद्र को धनराशि उपलब्ध करवाने में परेशानी आएगी।

अदाणी टर्मिनल ने खोला भारत-श्रीलंका के साझेदारी का नया द्वार

कोलंबो टर्मिनल की हुई शुरूआत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की सबसे बड़ी एकीकृत परिवहन कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने श्रीलंका के कोलंबो बंदरगाह पर स्थित कोलंबो वेस्ट इंटरनेशनल टर्मिनल में संचालन शुरू होने की घोषणा की है। यह टर्मिनल एक महत्वपूर्ण सार्वजनिकझनिजी भागीदारी के अंतर्गत विकसित किया गया है, जिसे अदाणी पोर्ट्स, श्रीलंका की प्रमुख कंपनी जॉन कील्स होल्डिंग्स पीएलसी और श्रीलंका पोर्ट्स अथॉरिटी मिलकर संचालित कर रहे हैं। यह परियोजना 35 वर्षों के बिल्ड, ऑपरेट और ट्रांसफर समझौते के तहत संचालित होगी।

800 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश, अत्याधुनिक सुविधाएं : यह परियोजना में 800 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया गया है और इसमें 1,400 मीटर लंबा क्वे और 20 मीटर की गहराई है, जिससे यह टर्मिनल सालाना 3.2 मिलियन (ट्वेंटी-फुट इक्विवैलेंट यूनिट्स) संभालने में सक्षम होगा। यह कोलंबो का पहला गहरे पानी का पूर्णतः स्वचालित टर्मिनल है, जिसे आधुनिक माल हैंडलिंग क्षमताओं, बेहतर पोत आवागमन समय और दक्षता के लिए डिजाइन किया गया है।

2022 में शुरू हुआ निर्माण, रिकॉर्ड समय में पूरा : इस परियोजना का निर्माण 2022 की शुरूआत में शुरू हुआ और तेजी से प्रगति की। अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे की स्थापना अब लगभग पूरी हो चुकी है, जिससे क्षेत्रीय समुद्री लॉजिस्टिक्स में नई कार्यक्षमता और विश्वसनीयता के मानक स्थापित करने को तैयार है।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन के बारे में : अदाणी समूह का हिस्सा है, जो एक साधारण पोर्ट कंपनी से पूरी तरह एकीकृत परिवहन सेवा प्रदाता में विकसित हो चुकी है। भारत के पश्चिमी और पूर्वी तटों पर इसके पास 15 से अधिक बंदरगाह और टर्मिनल्स हैं, जो देश के कुल पोर्ट वॉल्यूम का 27 प्रश प्रतिनिधित्व करते हैं। कंपनी श्रीलंका में ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, इजराइल में हैफा पोर्ट और तंजानिया में दार-एस-सलाम पोर्ट भी संचालित कर रही है।

जॉन कील्स होल्डिंग्स पीएलसी के बारे में : जॉन कील्स होल्डिंग्स पीएलसी श्रीलंका के कोलंबो स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध सबसे बड़ा समूह है, जो 7 विविध क्षेत्रों में 80 प्लस कंपनियों के साथ काम करता है। समूह 16,000 लोगों को रोजगार देता है और 19 वर्षों से सबसे सम्मानित संस्था के रूप में मान्यता प्राप्त है।

रियल एस्टेट क्षेत्र में 2026 में भी बिक्री मजबूत बनी रहेगी

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने वित्त देश में सबसे अधिक बिक्री दर्ज की

मुंबई, एजेंसी

अग्रणी प्रॉपर्टी डेवलपर्स को भरोसा है कि अशांत शेयर बाजारों और नए अमेरिकी टैरिफ से उत्पन्न आर्थिक अनिश्चितता के बावजूद, वित्त वर्ष 26 में आवासीय बिक्री में मजबूत गति बनी रहेगी। हालांकि प्रॉपर्टी कंसल्टेंट्स ने चौथी तिमाही में समग्र आवासीय बिक्री में गिरावट के बारे में बताया है, लेकिन गोदरेज प्रॉपर्टीज, मैक्रोटेक डेवलपर्स (लोढ़ा) और सिग्नेचर ग्लोबल जैसे प्रमुख डेवलपर्स ने आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग के कारण वित्त वर्ष 25 में अब तक की सबसे अधिक बुकिंग दर्ज की। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने वित्त वर्ष 25 में किसी भी डेवलपर द्वारा देश में सबसे अधिक बिक्री दर्ज की। प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक इरफान रजाक ने कहा कि आवासीय रियल एस्टेट बाजार में सभी श्रेणियों और क्षेत्रों में मजबूत मांग देखी जा रही है। रजाक ने कहा, मार्च में बेंगलुरु, हैदराबाद और मुंबई में हमारे कुछ हालिया लॉन्च को बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली। हमें उम्मीद है कि यह मजबूत मांग वित्त वर्ष 26 में भी जारी रहेगी।

एक महीने में 5,000 करोड़ से अधिक की बुकिंग : रजाक ने कहा कि कंपनी ने पहले ही तीन लॉन्च को मिलाकर एक

महीने के भीतर 5,000 करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री बुकिंग दर्ज की है। प्रेस्टीज ने घोषणा की कि उसने वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में 14 मिलियन वर्ग फीट की परियोजनाएं शुरू की हैं, जबकि वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में यह आंकड़ा केवल 0.83 मिलियन वर्ग फीट था। कंपनी अब वित्त वर्ष 26 में अपनी लॉन्चिंग को दोगुना करने की योजना बना रही है। रजाक ने बताया कि मजबूत एंड-यूजर मांग और जीसीसी द्वारा भारत में अपने केंद्र स्थापित करने, रोजगार के बड़े अवसर प्रदान करने से बिक्री में वृद्धि होगी और ये कारक शेयर बाजारों की अस्थिरता से काफी हद तक अप्रभावित रहेंगे। मजबूत एंड-यूजर मांग, साथ ही ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) द्वारा भारत में परिचालन स्थापित करने और महत्वपूर्ण रोजगार के अवसर पैदा करने से बिक्री में वृद्धि जारी रहेगी।

पूरे रियल एस्टेट बाजार में उछाल बना हुआ है : महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक अमित कुमार सिन्हा ने हाल ही में मीडिया को बताया कि पूरे रियल एस्टेट बाजार में उछाल बना हुआ है, जिसमें साल-दर-साल लगभग 6 प्रश की वृद्धि हो रही है। सिन्हा ने कहा, शेयर बाजार की हलचलें निवेशकों की भावनाओं को अस्थायी रूप से प्रभावित कर सकती हैं, लेकिन हमारे ग्राहक आधार में मुख्य रूप से अंतिम यूजर्स शामिल हैं जो दीर्घकालिक, सुनियोजित घर खरीदने के निर्णय लेते हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 25 के पहले नौ महीनों के दौरान प्री-सेल्स में 41 प्रश की वृद्धि दर्ज की।

इस साल की शुरूआत मजबूत रही है : गुरुग्राम स्थित सिग्नेचर ग्लोबल के चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल भी बिक्री को लेकर उतने ही आशावादी हैं। अग्रवाल ने कहा, हम आशावादी हैं कि यह गति वित्त वर्ष 26 में भी जारी रहेगी, जिसे अंतिम उपयोगकर्ता की स्थिर मांग, बढ़ती आय और आधुनिक सुविधाओं वाले अच्छी तरह से डिजाइन किए गए घरों के लिए बढ़ती प्राथमिकता का समर्थन प्राप्त है। वित्त वर्ष 25 में, कंपनी ने 10,290 करोड़ रुपए की अपनी अब तक की सबसे अधिक वार्षिक बिक्री बुकिंग दर्ज की।

एलएनटी समूह की 197 इकाइयों का 45,281 करोड़ का कर्ज चुकता

मुंबई, एजेंसी

कर्ज में डूबे आईएलएंडएफएस समूह ने मार्च, 2025 तक अपने ऋणदाताओं को 45,281 करोड़ रुपए का कर्ज चुका दिया है। इसके साथ समूह की 197 इकाइयों का कर्ज समाधान पूरा हो गया है। दिवाला अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी के समक्ष दायर नवीनतम स्थिति रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। मार्च, 2025 तक चुकाई गई 45,281 करोड़ रुपए की राशि 28 अक्टूबर, 2024 को आईएलएंडएफएस की तरफ से दाखिल पिछली स्थिति रिपोर्ट में बताए गए 38,082 करोड़ रुपए के चुकता कर्ज से 18.9 प्रतिशत अधिक है।

आईएलएंडएफएस ने कहा कि 21 मार्च, 2025 तक समूह की 302 इकाइयों में से 197 का कर्ज समाधान हो चुका है। इस तरह 61,000 करोड़ रुपए के ऋण समाधान लक्ष्य में से 45,281 करोड़ रुपए का कर्ज समाधान पूरा हो चुका है। अब केवल 105 इकाइयों का ही कर्ज समाधान होना बाकी रह गया है। इनमें से केवल 57 इकाइयों के लिए ही स्थगन संरक्षण जारी रखने की जरूरत है। आईएलएंडएफएस के नवीनतम हलफनामे में कहा गया है कि नए निदेशक मंडल को कुल कर्ज समाधान लगभग 61,000 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है जो अक्टूबर, 2018 तक के कुल ऋण का 61 प्रतिशत होगी। वसूली प्रक्रिया के तहत आईएलएंडएफएस का नया निदेशक मंडल समूह की कंपनियों द्वारा प्राप्त गैर-कोष आधारित सीमाओं को खत्म करने में लगा हुआ है। समूह बैंक गारंटी या ऋण पत्रों को जारी और रद्द करने में जुटा हुआ है।

भारत को खाड़ी देशों की तुलना में एडवांस इकोनॉमी वाले देशों से मिल रहा अधिक रेमिटेंस

नई दिल्ली, एजेंसी

पिछले महीने जारी भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा रेमिटेंस सर्वेक्षण के निष्कर्ष भारत के रेमिटेंस स्रोतों में महत्वपूर्ण बदलाव दशार्ते हैं. उन्नत अर्थव्यवस्थाएं विशेष रूप से अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, सिंगापुर, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया झ ने मिलकर 2023-24 में कुल रेमिटेंस का आधे से अधिक हिस्सा प्राप्त किया, जो खाड़ी देशों से आगे निकल गया, जिन्होंने पारंपरिक रूप से भारत को रेमिटेंस का सबसे बड़ा हिस्सा दिया है। यह बदलाव भारत को देश में विकास के लिए विदेशों में काम कर रहे भारतीयों से प्राप्त धन का और अधिक लाभ उठाने की अनुमति देता है।

खाड़ी देशों से रेमिटेंस : ऐतिहासिक रूप से, छह जीसीसी राष्ट्र सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर, ओमान, बहरीन और कुवैत भारत में रेमिटेंस के सबसे बड़े योगदानकर्ता रहे हैं। क्योंकि इन देशों में बड़ी संख्या में भारतीय कर्मचारी कार्यरत हैं. हालांकि, कई कारकों के कारण खाड़ी देशों से रेमिटेंस में गिरावट आई है।

आगे की संभावित प्रवृत्ति : वर्तमान प्रशासन की नीतियों को देखते हुए, विशेष रूप से अमेरिका से आने वाले रेमिटेंस में और भी वृद्धि हो सकती है। ट्रंप प्रशासन की कठोर आव्रजन नीतियों के कारण ग्रीन कार्ड प्राप्त करना कठिन हो सकता है। बच्चों के आश्रित-वीजा की स्थिति से बाहर हो जाने के कारण कई परिवारों के टूटने का खतरा है। प्रशासन ने जन्मसिद्ध नागरिकता को समाप्त करने वाले राष्ट्रपति के कार्यकारी आदेश को चुनौती देने के लिए अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

पावरप्ले में बन रहे अजब रिकॉर्ड

एजेंसी

लखनऊ। आईपीएल 2025 के इस सीजन में पावरप्ले के दौरान अजब रिकॉर्ड बन रहे हैं। मंगलवार को लखनऊ जब दिल्ली को 160 रन बनाने से रोक रही थी, तो कप्तान ऋषभ पंत ने पावरप्ले में ही विकेट लेने के लिए अपने 6 गेंदबाजों की मदद ली। इससे पहले जयपुर के मैदान पर राजस्थान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भी पंत ने ऐसा ही किया था। इस रिकॉर्ड में पंजाब किंग्स पहले नंबर पर है जिन्होंने हैदराबाद के मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पावरप्ले में 6 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया था। इस मुकाबले में लॉकी फार्ग्यूसन 2 गेंदें फेंककर जख्मी हो गए थे। ऐसे में उनकी अगली 4 गेंदें फेंकने स्टोइनिस आए थे।

पावरप्ले में लखनऊ ने किया इन गेंदबाजों का इस्तेमाल

- पहला ओवर : शार्दुल ठाकुर ने फेंका। 15 रन बने
- दूसरा ओवर : दिग्वेश राठी ने फेंका। 6 रन बने
- तीसरा ओवर : प्रिंस यादव ने फेंका। 7 रन बने
- चौथा ओवर : मारक्रम ने फेंका। 10 रन बने
- 5वां ओवर : प्रिंस यादव ने फेंका। 6 रन बने
- छठा ओवर : आवेश खान ने फेंका। 10 रन बने
- दिल्ली की छठी जीत, लखनऊ हारा

अभिषेक पोरेल और केएल राहुल के अर्धशतकों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2025 में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा है। एकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेला गया मुकाबला दिल्ली ने 8 विकेट से जीत लिया। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। लखनऊ ने पहले खेलते हुए ऐडन मारक्रम के अर्धशतक की बदौलत 159 रन बनाए थे। दिल्ली के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने 4 ओवर में 33 रन देकर 4 विकेट लिए। जवाब में दिल्ली के बल्लेबाजों ने लखनऊ के गेंदबाजों के हमले निरस्त कर दिए और शानदार जीत हासिल की। केएल राहुल ने 42 गेंदों पर 3 चौके और 3 छक्कों की मदद से 57 रन बनाकर 18वें ओवर में ही अपनी टीम को जीत दिला दी।

दिल्ली के अब 8 मैचों में 6 जीत के साथ 12 प्वाइंट हो गए हैं। दिल्ली ने लगातार चार जीत के साथ सीजन की शुरूआत की थी जब उन्हें लखनऊ, हैदराबाद, चेन्नई और आरसीबी पर जीत मिली थी। मुंबई के खिलाफ 12 रन से मुकाबला गंवाने के बाद दिल्ली ने आगामी मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स से सुपरओवर मुकाबला जीता था। इसके बाद गुजरात टाइटंस से हारने के बाद उन्होंने लखनऊ के खिलाफ जीत हासिल की है। अंक तालिका में अभी भी गुजरात टाइटंस बेहतर रन रेट के साथ पहले नंबर पर हैं। उन्होंने 8 मैचों में 6 मुकाबले जीते हैं। वही, लखनऊ की टीम 8 मैचों में चार हार के साथ 5वें स्थान पर बनी हुई है। लखनऊ को इस सीजन में अब तक दिल्ली, पंजाब, चेन्नई और अब फिर से दिल्ली से हार मिली है।

जसप्रीत बुमराह और स्मृति मंधाना को विज्डन के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का सम्मान

एजेंसी

नई दिल्ली। विज्डन क्रिकेटर्स अल्मनाक ने भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना और जसप्रीत बुमराह को वर्ष 2024 के लिए विश्व का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया है। वर्ष 2024 के लिए विज्डन क्रिकेटर्स अल्मनाक ने भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज स्मृति मंधाना और पुरुष टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को विश्व का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना है।

जसप्रीत बुमराह का 2024 में औसत 14.92 रहा और स्ट्राइक रेट 30 से रिकॉर्ड तोड़ 71 टेस्ट विकेट लिए और टी20 विश्व कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। बॉर्डर-गावसकर ट्रॉफी में उन्होंने अकेले 13.06 की औसत से 32 विकेट झटके।

महिला वर्ग में स्मृति मंधाना ने पिछले वर्ष तीनों प्रारुपों टी-20, एक दिवसीय और टेस्ट मैच में 1659 रन बनाए। इसी के साथ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। मंधाना यह उपलब्धि दो बार पाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं

बीते वर्ष उन्होंने चार एक दिवसीय शतक और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टेस्ट शतक (149 रन) बनाया था। वह एक दिवसीय में 747 रन के साथ-साथ टी-20 में 763 रन बनाकर शीर्ष पर रहीं। इसके अलावा मंधाना ने पिछले वर्ष रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अपने पहले महिला प्रीमियर लीग का खिताब जिताया था।

मुझ पर कौन सा दहेज का केस मैं तो कुंवारा हूं : अमित मिश्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। अनुभवी भारतीय स्पिनर अमित मिश्रा ने स्पष्ट किया कि वह अविवाहित हैं और उन्होंने उन मीडिया रिपोर्ट का जोरदार खंडन किया जिनमें उन पर घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न के आरोप लगाए गए हैं।

मिश्रा ने कहा, यह देखना वाकई निराशाजनक है कि क्या प्रसारित किया जा रहा है। मेरी तस्वीर का इस्तेमाल कर एक फर्जी खबर चल रही है। मैं अविवाहित हूं और यह बात सभी जानते हैं, फिर भी मेरी तस्वीर के साथ ऐसी निराधार कहानी प्रकाशित की जा रही है। आखिर ये मीडिया हाउस क्या कर रहे हैं? अगर वे अपनी गलती नहीं सुधारते हैं तो मैं उनके खिलाफ कार्रवाई करूंगा। मेरा परिवार इससे बहुत परेशान है। यह पत्रकारिता नहीं है।

मिश्रा की नाराजगी कई मीडिया रिपोर्ट के जवाब में आई है, जिसमें दावा किया गया है कि एक क्रिकेटर और उसके परिवार पर दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया है जिसमें उसकी पत्नी द्वारा एक करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग और 10 लाख रुपए और एक कार की दहेज मांग का आरोप लगाया गया है। हालांकि रिपोर्ट में मिश्रा का नाम स्पष्ट रूप से नहीं था, लेकिन कुछ आउटलेट्स ने कहानी के साथ उनकी तस्वीर का इस्तेमाल किया, जिसे उन्होंने बेहद निराशाजनक करार दिया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर मिश्रा ने अपना रुख दोहराते हुए लिखा, मैंने हमेशा प्रेस का सम्मान किया है, लेकिन जबकि खबर खुद सटीक हो सकती है, इस्तेमाल की गई तस्वीर मेरी है, जो पूरी तरह से गलत है। असंबंधित कहानियों के लिए मेरी छवि का उपयोग करना तुरंत बंद होना चाहिए, अन्यथा मुझे कानूनी कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

मिश्रा के लंबे समय के कोच संजय भारद्वाज ने भी अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, अमित मिश्रा अविवाहित हैं। ऐसी कहानी क्यों प्रसारित की गई, यह हमारी समझ से परे है। यह पत्रकारिता नहीं है। उन्हें ऐसी रिपोर्ट प्रकाशित करने से पहले तथ्यों को सत्यापित करना चाहिए। 22 टेस्ट, 36 वनडे और 10 टी20 में भारतीय जर्सी पहनने वाले मिश्रा के नाम 156 अंतरराष्ट्रीय विकेट हैं और वह 174 विकेट के साथ आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में से एक हैं।

मुंबई के खिलाफ जीत की राह पर लौटना चाहेगी सनराइजर्स हैदराबाद

एजेंसी

हैदराबाद। खराब फॉर्म से जूझ रही सनराइजर्स हैदराबाद अपने घरेलू मैदान पर बुधवार को आईपीएल के मैच में मुंबई इंडियंस से खेलेगी तो लक्ष्य जीत की राह पर लौटने का होगा जबकि खोई लय हासिल करने की राह पर अग्रसर मुंबई जीत का सिलसिला कायम रखना चाहेगी। सात मैचों में दो जीत के बाद सनराइजर्स की स्थिति अच्छी नहीं है । उसके स्टार बल्लेबाजों ने उसे निराश किया जबकि गेंदबाज भी प्रभावित नहीं कर सके हैं।

सनराइजर्स को धीमी और टर्निंग पिचों पर दिक्कतें आई हैं। पैट कमिंस की कप्तानी वाली टीम दो घरेलू मैच भी हार चुकी है। वानखेड़े स्टेडियम की पेचीदा पिच पर मुंबई ने उसे चार विकेट से हराया और इसी मैच में चुनौतीपूर्ण हालात के सामने उसकी कमजोरियों की कलई खुल गई। सनराइजर्स के बल्लेबाजों ने सपाट विकेटों पर अच्छा प्रदर्शन किया है । मुंबई इंडियंस के खिलाफ अनुकूल पिच पर खेलने से उनके सामने खोई लय हासिल करने का सुनहरा मौका है।

सनराइजर्स की बल्लेबाजी का दारोमदार उसकी सलामी जोड़ी अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड पर होगा। पावरप्ले में उनका कामयाब रहना टीम के लिए बहुत जरूरी है। अभिषेक ने पंजाब किंग्स के खिलाफ यहां पिछले मैच में 55 गेंद में 141 रन बनाए थे जो इस आईपीएल में किसी बल्लेबाज का सर्वोच्च स्कोर है। हेड के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव चिंता का सबब है। सनराइजर्स को अपने इस आस्ट्रेलियाई स्टार से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी क्योंकि इस मैच में हार से टीम की स्थिति खराब हो जाएगी। मुंबई इंडियंस के खिलाफ सनराइजर्स ने 24 में से 10 मैच जीते और 14 गंवाए हैं। वहीं मुंबई इंडियंस के लिए अपने मैदान से बाहर खुद को आजमाने का और लय बनाए रखने का यह सुनहरा मौका है। उसे रविवार को फिर अपने मैदान पर लखनऊ सुपर जाइंट्स से खेलना है। मुंबई लगातार तीन जीत के साथ आईपीएल में निराशाजनक शुरूआत से उबर रही है। पांच बार की चैम्पियन टीम ने बल्लेबाजों की मददगार विकेट पर चेन्नई सुपर किंग्स को 9 विकेट से हराया।

मुंबई ने 180 के आसपास का लक्ष्य चार ओवर से अधिक बाकी रहते हासिल कर लिया। रोहित शर्मा नाबाद 76 रन बनाकर फॉर्म में लौटे जबकि सूर्यकुमार यादव ने 68 रन की नाबाद पारी खेली। तिलक वर्मा को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला लेकिन वह बेहतरीन फॉर्म में हैं जबकि नमन धीर ने भी दर्शनीय पारियां खेली हैं। जसप्रीत बुमराह अपने चिर परिचित रंग में नहीं दिखे हैं। वह उतने विकेट नहीं ले पाए लेकिन लाइन और लैंग्थ हासिल कर ली है जो सनराइजर्स के बल्लेबाजों के लिए चेतावनी हो सकती है।

ओडिशा एफसी को हराकर पंजाब कलिंगा सुपरकप के क्वार्टर फाइनल में

भुवनेश्वर। पंजाब एफसी ने राउंड ऑफ 16 के एकतरफा मुकाबले में ओडिशा एफसी को 3-0 से हराकर कलिंगा सुपर कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

कलिंगा स्टेडियम में खेले गए मैच में पंजाब एफसी के खिलाड़ियों ने तेज आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए ओडिशा एफसी की खराब रक्षापंक्ति का फायदा उठाया। ओडिशा एफसी के कई बार गोल करने के मौके आए लेकिन वह उसे भुनाने में विफल रहे। असमीर सुलजिक ने 14वें मिनट में गोलकर पंजाब एफसी को बढ़त दिलाई। एजेकिएल विडाल ने 69वें मिनट में गोल कर बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद निहाल सुदेश ने 90वें मिनट में गोलकर स्कोर 3-0 कर अपनी टीम की जीत पक्की कर दी।

हितार्थ, अराध्य और अहाना अंतिम आठ में

इंदौर। हितार्थ सुराना, अराध्य पाटिल और अहाना फलजले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मध्य प्रदेश टेनिस संघ द्वारा इंदौर टेनिस क्लब में आयोजित क्वींस कॉलेज ऑल इंडिया टेलेन्ट सीरीज जूनियर टेनिस प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

बालक 14 वर्ष आयु वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में- हितार्थ सुराना (म.प्र.) ने काव्या सक्सेना (गुजरात) को 6-2, 6-0 से, अराध्य पाटिल (म.प्र.) ने दिव्यांश टोके (म.प्र.) को 6-3, 4-6, 6-4 से तथा अनघ अग्रवाल (म.प्र.) ने

ओजस मिश्रा (म.प्र.) को 6-4, 6-3 से पराजित कर अंतिम आठ में जगह बनाई। अन्य मुकाबलों में ऋषव रावल (म.प्र.) ने चिन्मय मेहता (महाराष्ट्र) को 6-0, 6-2, से, मानवेंद्र त्रिवेदी (महाराष्ट्र) ने नैतिक जैन (म.प्र) को 6-2, 6-3 से, आरिज खान (म.प्र.) ने गौरांग गंगराड़े (म.प्र) को 6-2,

6-1 से, मंत्रा उपाध्याय (गुजरात) ने अदविक गुरू (म.प्र) को 6-4, 7-5 से, सोहम पाटीदार (म.प्र.) ने रूहान तलरेजा (म.प्र) को 6-4, 6-3 से पराजित किया।

बालिका 14 वर्ष आयु वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में- अहाना फलजले (म.प्र.) ने आयरा लोधी (म.प्र.) की 6-1, 6-0 से, मनुस्मृति सिंह (म.प्र.) ने दृष्टिराज झाला (राजस्थान) को 6-0, 6-0 से, दिविनिति माहेश्वरी (म.प्र.) ने आशना शर्मा (म.प्र.) की 6-4, 6-4 से, खुशवी पड़ीयार (राजस्थान) ने ऐशवी जैन (म.प्र.) को 6-0, 6-0 से मात दी। अन्य मुकाबलों में समबोधी जोशी (राजस्थान) ने इदेवा धाकड़ (म.प्र) को 6-1, 6-0 से, आन्या राठी (म.प्र.) ने कतिष्का शर्मा (म.प्र) को 6-0, 6-0 से, आशरिया फुलरे (म.प्र.) ने नंदिका पंवार (म.प्र) को 6-3, 3-1 से (कनसीड) हराया।

56 पर मनाया जाएगा विश्व टेबल टेनिस दिवस

इंदौर। मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में आज प्रसिद्ध 56 दुकान पर विश्व टेबल टेनिस दिवस मनाया जाएगा। 56 दुकान पर शाम 5.30 बजे टेबल टेनिस की टेबलों पर खेल का प्रदर्षन किया जाएगा। इसके साथ ही मिनी टेबल टेनिस टेबल भी दर्शकों के लिए उपलब्ध रहेगी। कार्यक्रम में टेबल टेनिस खिलाड़ियों के साथ ही खेल प्रेमी भी आमंत्रित हैं।

संपादकीय

मनुष्य जन्म जीवन जीने के लिए, मृत्यु के लिए नहीं

कैथोलिक ईसाइयों के सबसे बड़े धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का 88 वर्ष की उम्र में सोमवार को निधन हो गया है। पोप फ्रांसिस ने एक धर्म गुरु के रूप में सारी दुनिया को मानव जाति के लिए, बिना किसी भेदभाव के जीवन का उद्देश्य और जीवन जीने का तरीका बताया है। वह वर्तमान समय में सभी के लिए प्रेरणादायक है। फ्रांसिस पोप का कहना था मनुष्य जन्म, जीवन जीने के लिए होता है। जन्म और मृत्यु सत्य है। जीवन जीने के लिए मिलता है। इसका उपयोग सभी को करना चाहिए। 1300 वर्षों के इतिहास में वह पहले गैर यूरोपीय पोप बने। अर्जेंटीना में उनका जन्म हुआ था, मां-बाप अप्रवासी के रूप में इटली लेकर आए थे। पादरी बनने के पहले वह एक क्लब में बाउंसर के रूप में काम करते थे। उन्होंने अपने जीवन काल में एक केमिकल लेब में भी काम किया। अर्जेंटीना के एक कॉलेज में साहित्य और मनोविज्ञान के शिक्षक के रूप में भी काम किया। 21 साल की उम्र में वह जेसुइट समुदाय में शामिल हुए, बाद में उन्हें ब्यून आर्यस मे पादरी बनाया गया। 2001 में उन्हें पोप जान पॉल द्वितीय के रूप में कार्डिनल पद की जिम्मेदारी दी गई। 2013 में वह 266 वें पोप के रूप में नियुक्त हुए। पोप के पद में निर्वाचित होने के बाद उन्होंने पोप के लिए बने भव्य पैलेस में रहना स्वीकार नहीं किया। उन्होंने एक साधारण गेस्ट हाउस को अपना निवास स्थल बनाया। शक्ति की प्रतीक सोने की अंगूठी के स्थान पर उन्होंने चांदी की अंगूठी पहनी। आर्क बिशप के पद पर होने के बाद भी उन्होंने कभी भी महंगी कारों में बैठना स्वीकार नहीं किया। वह पब्लिक बस और मेट्रो में सफर करना पसंद करते थे। आम जनता और गरीबों से जुड़े रहकर, उन्होंने सम्पूर्ण मानव जाति को बेहतर संदेश देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। परंपरा के अनुसार ईस्टर के पहले पोप गरीबों के पैर धोते हैं। 2024 में पोप ने रोम की जेल में सजायाप्ता महिलाओं के पैर धोकर उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। पोप गरीबों के बीच सहज व्यवहार और दरियादिली के कारण भगवान के रूप में पूजे जाते थे। गरीबों के मन में उनके प्रति अगाध श्रद्धा थी। पोप रात में सड़कों पर निकालकर गरीबों को दान देते थे, उनकी हर संभव मदद करते थे। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विचारों से पोप फ्रांसिस कभी सहमत नहीं रहे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दीवार बनाने की योजना को पोप ने नकार दिया था। पोप ने ट्रंप को समझाया था, दीवारें बनाने वाले खुद दीवार के अंदर कैदी बन जाते हैं। इसका मतलब आसानी से समझा जा सकता है। मानव जाति के बीच में दीवार खड़ा करना प्रकृति के विपरीत है। उन्होंने मानव जाति को एक दूसरे से अलग रखने को प्रकृति एवं धर्म के विपरीत बताया था। मनुष्य को किसी सीमा में बांधने को वह धर्म के विपरीत मानते थे। इससे समझा जा सकता है, पोप फ्रांसिस का सारी दुनिया के लिए क्या महत्व था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन के लड़के का 2015 में निधन हो गया था। पूर्व राष्ट्रपति जो वाईडेन पोप का बहुत सम्मान करते थे। दोनों के बीच 90 मिनट तक बातचीत हुई, जो अभी तक पोप के साथ लंबी बातचीत के रूप में जानी जाती हैं। एक धर्म गुरु के रूप में उन्होंने मनुष्य जीवन के यथार्थ को समझाते हुए कहा था, मानव जन्म स्वयं और दूसरों के जीवन के लिए है। मृत्यु एक यथार्थ सत्य है। मनुष्य के रूप में हमें जीवन जीने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने ईसाई धर्म को किसी सीमा में बांधने का प्रयास नहीं किया। मानव जीवन का सही उद्देश्य समझाने में उन्होंने पोप के रूप में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने संपूर्ण मानव जाति एवं जीव कल्याण की दशा में अपना जीवन समर्पित किया है। ऐसे बिरले पुरुषों का जन्म एक बड़े उद्देश्य के लिए होता है। उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव सेवा के उत्थान के समर्पित किया है। इसकी जितनी भी सराहना की जाए, कम है। वेटिकन सिटी के सेंट पीटर्स बेसिलिका चर्च मे पोप का शव रखा है। वहां 9 दिन का शोक घोषित किया गया है। रोजाना हजारों लोग वहां पहुंचकर अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुछ दिनों पहले पोप से मुलाकात हुई थी। भारत ने भी 3 दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। पोप के रूप में फ्रांसिस मानव कल्याण के रूप में जो काम किया है। वह असाधारण है। उन्होंने परंपराओं को तोड़ते हुए मानव जीवन के लिए सार्थक संदेश दुनिया को देने का काम किया है।

5 लीटर दूध रोज पीने की कहानी है झूठी : धोनी

एजेंसी

नई दिल्ली। महेंद्र सिंह धोनी ने जब करियर के शुरूआती दिनों में जब पाकिस्तान के खिलाफ 183 रन की पारी खेली थी तो ऐसी अफवाह उड़ी थी कि धोनी बड़े छक्के लगाने के लिए रोज 5 लीटर दूध पीते हैं। उक्त बात में कितनी सच्चाई है इसका खुलासा महेंद्र सिंह धोनी ने खुद ही एक कार्यक्रम के दौरान कर दिया है। दरअसल एमएस धोनी वर्तमान में आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स की अगुआई कर रहे हैं। रुतुराज गायकवाड़ के टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद उन्हें फिर से नेतृत्व की भूमिका दी गई। प्रचार कार्यक्रम के दौरान धोनी से उनके जीवन की सबसे अजीब अफवाह के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के दूध की कहानी के बारे में बात की।

बहरहाल, धोनी ने कहा कि मैं दिन में 5 लीटर दूध पीता हूं। जैसे ही उन्होंने यह कहा, एंकर को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि यह एक अफवाह थी। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ने फिर स्पष्ट किया कि एक औसत व्यक्ति प्रतिदिन 5 लीटर दूध नहीं पी सकता। उन्होंने कहा कि मैं शायद दिन भर में एक लीटर दूध पीता था लेकिन चार लीटर - यह किसी के लिए भी थोड़ा ज्यादा है।

धोनी ने बीते दिनों चेन्नई की अगले साल की योजनाओं पर भी बड़ा संकेत दिया था। उन्होंने कहा कि टीम इस अभियान में भी प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करना चाहेगी, अगर ऐसा नहीं होता है, तो लक्ष्य अगले साल के लिए योजनाएं तैयार करना है। ये हमारे सामने सवालिया निशान हैं, कुछ कैच हैं और इससे मदद मिलेगी। इसके अलावा हम सिर्फ. कमियों को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, हमारे सामने जितने भी खेल हैं, उनमें से हमें जीतना है, हम एक बार में एक खेल पर ध्यान केंद्रित करेंगे और अगर हम कुछ हार जाते हैं, तो हमारे लिए अगले साल के लिए सही संयोजन प्राप्त करना महत्वपूर्ण होगा। आप नहीं चाहते कि बहुत सारे खिलाड़ी बदले जाएं, जो महत्वपूर्ण होगा वह है कोशिश करना और क्वालिफाई करना, लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो अगले साल के लिए सुरक्षित 11 प्राप्त करना और मजबूत वापसी करना।

आईपीएल 2024 की अंक तालिका में चेन्नई फिलहाल पॉइंट टेबल में आखिरी स्थान पर है। चेन्नई सुपर किंग्स ने सिर्फ.2 ही गेम जीते हैं। टूर्नामेंट के प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करना उनके लिए बहुत मुश्किल है क्योंकि उन्हें अब अपने सभी बचे हुए गेम जीतने होंगे। हाल ही में उन्हें इस सीजन की छठी हार का सामना करना पड़ा, जब उन्हें रविवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने हराया। फ्रैंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अगले गेम में मजबूत वापसी करने के लिए उत्सुक होगी।

हिंदू लड़कियों को बना रहे थे लव जिहाद का शिकार

अमन और आशीष बनकर पहुंचे, निकले मोइन और आरिफ

कल देर रात दो पबों में पकड़ाए दो युवक, बजरंगियों ने किया हंगामा

गुड इवनिंग, इंदौर

हिंदू लड़कियों को लव जिहाद का शिकार बनाने की सूचना पर कल देर रात बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने विजयनगर थाना क्षेत्र में दो पबों पर धावा बोला। आरोप है कि यहां हिंदू लड़कियों को मुस्लिम युवक नशे और झूठी पहचान के जरिए अपने जाल में फंसा रहे थे। इंदौर विभाग संयोजक प्रवीण दरेकर के मुताबिक, उन्हें सूचना मिली थी कि आरके पब और एक अन्य क्लब में कुछ युवक फर्जी नाम बताकर हिंदू लड़कियों को गुमराह कर रहे हैं। इसके बाद जिला संयोजक जयेश मौर्य ने कार्यकर्ताओं के साथ सबसे पहले आरके पब पर दबिश दी। पब में एक युवक और युवती साथ मिले। युवक ने अपना नाम अमन ठाकुर बताया, लेकिन जब पहचान पत्र मांगा गया तो वह टालमटोल करने लगा।

असलियत पता चली तो युवती ने की पिटाई

कार्यकर्ताओं के कड़े रुख के बाद युवक ने अपना असली नाम मोईन बताया। यह सुनते ही युवती भी भड़क उठी और युवक की पिटाई कर दी। युवती ने बताया कि उसने खुद को अमन ठाकुर नाम से ही परिचित कराया था।

पहचान पत्र मांगा तो करने लगा बहस

दूसरी कार्रवाई विजयनगर थाना क्षेत्र के ही एक अन्य क्लब में हुई। यहां भी एक युवक को पकड़ा गया जिसने अपना नाम पहले आशीष बताया। जब पहचान पत्र मांगा गया तो वह बहस करने लगा। कार्यकर्ताओं ने उसकी भी पिटाई की, जिसके बाद उसने अपना असली नाम आरिफ पठान बताया।

पुलिस ने दर्ज किया केस

बजरंग दल कार्यकर्ता दोनों युवकों को थाने लेकर पहुंचे और वहां नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। विजयनगर पुलिस ने युवती की शिकायत पर मोईन के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। वहीं, आरिफ पठान के खिलाफ धारा 151 के तहत कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई के दौरान जयेश मौर्य, आनंद गेहलोत, मोनू श्रीवास, पीयूष कौशल, अंकेश हरिमकर, यश मंडेर, रितेश ठाकुर, क्रिश गेहलोत सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

दलित दूल्हे को मंदिर में जाने से रोका

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र की घटना

गुड इवनिंग, इंदौर

राजेन्द्र नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत निहालपुर मुंडी में कल एक अमानवीय घटना सामने आई। इसमें शाम करीब पांच बजे एक बार फिर से दलित दूल्हे को राम मंदिर में प्रवेश करने से रोक दिया गया।

जानकारी के मुताबिक दलित समाज की बारात हिंदू रीति रिवाजों के अनुसार भगवान राम के दर्शन करने मंदिर पहुंची दूल्हा विशाल पिता विजय चौहान और उसके साथ पहुंचे रिश्तेदार जब राम मंदिर के दर्शन करने पहुंचे तो पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में तथाकथित हिन्दू समाज के दबंगों ने उन्हें भगवान के दर्शन करने से रोक दिया। इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी जब अखिल भारतीय बलाई महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज परमार को मिली तो उन्होंने तुरंत प्रतिक्रिया दी। उनका कहना था कि 23 अप्रैल यानी बुधवार सुबह 11 बजे दूल्हे विशाल और उसकी नवविवाहिता काजल पिता विक्रम परमार को उसी मंदिर में भगवान राम के दर्शन करवाए जाएंगे और वहीं समाज के लोगों के साथ सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ भी किया जाएगा।

अवैध रूप से चल रहा नर्सिंग होम किया सील

कलेक्टर के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई

गुड इवनिंग, इंदौर

जनसुनवाई में आई शिकायत पर कलेक्टर के निर्देश पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई की। इसमें जिला प्रशासन के अमले ने भोलाराम उस्ताद मार्ग स्थित एक नर्सिंग होम को सील किया है।

सूत्रों के मुताबिक जनसुनवाई में कलेक्टर आशीष सिंह के समक्ष शिकायत प्राप्त हुई थी कि भोलाराम उस्ताद मार्ग स्थित पटेल नर्सिंग होम का अवैध रूप से संचालन किया जा रहा है। इसमें अनाधिकृत चिकित्सकों द्वारा मरीजों का इलाज किया जा रहा है, जो कि मानव जीवन के साथ खिलवाड़ है। कलेक्टर आशीष सिंह ने इस शिकायत को तुरंत संज्ञान में लेकर उक्त नर्सिंग होम के खिलाफ कार्रवाई के लिए नायब तहसीलदार शिव शंकर जारोलिया को तुरंत भेजा। नर्सिंग होम को सील करने की कार्रवाई जिला प्रशासन के अमले के साथ ही संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ की गई।

विश्वविद्यालय की अव्यवस्थाओं पर एबीवीपी ने किया हंगामा

गुड इवनिंग, इंदौर

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की अव्यवस्थाओं के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कुलगुरु को ज्ञापन सौंपा। छात्र संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्याएं नहीं सुलझी तो बड़ा आंदोलन होगा।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कुलगुरु को अव्यवस्थाओं के विरोध में आज ज्ञापन सौंपा। संगठन ने कहा कि छात्र लगातार विश्वविद्यालय की अव्यवस्थाओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन इन पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। संगठन ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही इन सभी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन देने के समय बड़ी संख्या में छात्र संगठन के कार्यकर्ता मौजूद थे। उन्होंने विश्वविद्यालय की अव्यवस्थाओं के विरोध में नारेबाजी भी की।

छात्राओं की सुरक्षा पर भी ध्यान नहीं

छात्रों ने ज्ञापन में लिखा है कि संपूर्ण परिसर की स्ट्रीट लाइट्स रात में बंद रहती हैं। छात्राएं जब रात में लाइब्रेरी से लौटती हैं, तो उन्हें अंधेरे में चलना पड़ता है, जिससे उनकी सुरक्षा संकट में रहती है। छात्रा छात्रावास के पीछे के गेट पर सुरक्षा गार्ड की नियुक्ति नहीं है तथा वहां की स्ट्रीट लाइट भी बंद है। छात्रावास में सुविधाओं की कमी है। जिम के लिए प्रत्येक वर्ष शुल्क लिया जाता है, किंतु आज तक कोई जिम स्थापित नहीं किया गया है। साथ ही, खेल उपकरणों की भी भारी कमी है।

छात्रों ने कहा कि कई जगह पानी की मूलभूत सुविधा ही नहीं है। भवनों की जर्जर हो रही है। स्वच्छता एवं वॉशरूम की खराब दशा की वजह से लगभग सभी विभागों में छात्र और शिक्षक परेशान हैं। कई जगह पर सीसीटीवी कैमरे निष्क्रिय हैं जिनकी वजह से बड़ी घटना होने पर भी जानकारी नहीं मिल पाती है। परिसर की बाउंड्री वॉल की समस्या लंबे समय से बनी हुई है और सड़क निर्माण कार्य में देरी से भी छात्र परेशान है। कई जगह शिक्षकों की कम संख्या की वजह से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

गीत गाकर ट्रैफिक नियमों का पालन करने की दी सीख

इंदौर। यातायात पुलिस लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए लगातार जागरूक कर रही है। सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सड़क सुरक्षा गीत गाकर किया जागरूक यातायात प्रबंधन पुलिस, इंदौर द्वारा सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु अब जनप्रतिनिधिगण भी सक्रिय सहभागिता कर रहे हैं।

फोटो : गुड इवनिंग

कोरोना ने फिर बढ़ाई चिंता, दो में से एक मरीज की मौत

गुड इवनिंग, इंदौर

इन्दौर में एक बार फिर शहर में सतर्कता बढ़ाने के साथ डॉक्टरों ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को लंबे समय तक सर्दी, खांसी या बुखार की शिकायत हो, तो वह सामान्य मानकर न छोड़ें। समय रहते जांच कराना और जरूरी सावधानियों को अपनाना आवश्यक है, विशेष रूप से बुजुर्गों और कोमॉर्बिड मरीजों के लिए। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्कता जरूरी है।

लंबे समय बाद इन्दौर में फिर दो नए कोविड के मामले सामने आए हैं। इनमें एक युवक और एक बुजुर्ग महिला शामिल हैं। दोनों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बुजुर्ग महिला को पहले से किडनी की बीमारी थी और सोमवार को उनकी मृत्यु हो गई। युवक मूल रूप से देवास का रहने वाला है। इंदौर मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी ने देवास स्वास्थ विभाग को जानकारी भेज कांटेक्ट ट्रेसिंग के लिए स्वास्थ्य विभाग का अमला तैनात कर युवक के परिवार के लोगों के लिए सैंपल लेने के निर्देश दिए हैं। कोविड पॉजिटिव युवक को आइसोलेशन वार्ड में किया गया शिफ्ट कर दिया गया है।

वहीं कोविड के ये दो नए मामलों के सामने आने के बाद

विधायक प्रतिनिधि के साथ मारपीट मामले में थाने पहुंचे भाजपाई

अस्पताल के बाहर पिटाई का वीडियो वायरल

गुड इवनिंग, इंदौर

शहर में विधायक प्रतिनिधि कपिल पाठक के साथ हुई मारपीट का एक नया वीडियो सामने आया है। यह वीडियो उस अस्पताल के बाहर का है, जहां कपिल घायल हालत में अपने परिजनों के साथ इलाज कराने पहुंचे थे। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि अस्पताल के बाहर ही आरोपियों ने एक बार फिर कपिल के साथ मारपीट की। इस वीडियो के सामने आने के बाद भाजपा कार्यकर्ता पाठक परिवार के साथ विजय नगर थाने पहुंचे और तत्काल कार्रवाई की मांग की।

कपिल की पत्नी विनीता पाठक ने पुलिस को घर और अस्पताल में घटी पूरी घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कपिल की हालत ऐसी है कि वह किसी को पहचान नहीं पा रहे, वहीं उनके पिता की

स्थिति भी चिंताजनक है, उन्हें भी गंभीर चोटें आई हैं।

बीजेपी नगर अध्यक्ष ने उठाई कड़ी कार्रवाई की मांग–सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा रीगल चौराहे स्थित पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचे। वहां उन्होंने अधिकारियों को बताया कि कपिल पाठक पर दो बार हमला किया गया। पहली बार उनके घर के बाहर हमला किया गया, जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गए। इसके बाद जब वह इलाज के लिए एक निजी अस्पताल पहुंचे, वहां भी उन्हें आरोपियों ने नहीं बख्शा और दोबारा हमला कर दिया। मिश्रा ने पुलिस से अस्पताल में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच करने की भी मांग की, ताकि आरोपियों के खिलाफ ठोस सबूत जुटाए जा सकें।

पुलिस ने की गिरफ्तारी, कांग्रेस नेताओं ने की मुलाकात–घटना के बाद हीरा नगर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर रविवार सुबह चिंटू चौकसे को गिरफ्तार कर लिया। मेडिकल परीक्षण के बाद उन्हें एमजी रोड थाने ले जाया गया और फिर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इस घटना के बाद कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता पुलिस कमिश्नर से मिले और बाद में जेल जाकर चिंटू चौकसे से मुलाकात भी की।

पानी के टैंकर को लेकर शुरू हुआ था विवाद

यह पूरा विवाद शनिवार रात पानी के ट्रैक्टर को हटाने की बात पर शुरू हुआ था। हीरा नगर थाना क्षेत्र के सुखलिया इलाके में रहने वाले कपिल पाठक और नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे के बेटे और भतीजे के बीच कहासुनी हो गई थी। मामला इतना बढ़ गया कि चिंटू चौकसे के परिवार के लोग लाठी, डंडे और लोहे की रॉड लेकर कपिल पाठक के घर पहुंच गए और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने पाठक के घर के बाहर खड़ी उनकी गाड़ी में भी तोड़फोड़ की, जिसका वीडियो भी सामने आया है। इस घटना से इलाके में तनाव का माहौल बन गया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव धाम** द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग लून, 22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं सफायर टिवन्स, 102 फर्स्ट फ्लोर, पीयू 3, विजयनगर, एबी रोड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित। फोनः 0731-4000244
आर.एन.आई. नंबर - MPHIN/2017/72473 डाक पंजीयन क्रमांक- MP/IDC/1550/2020-2022, **प्रधान संपादक : राजीव धाम, एग्जीक्यूटिव संपादक गिरिराज सिकरवार,** स्थानीय संपादक : **कमलेश गुरु** *, (*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।